www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को...

3 मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर डीसी ने की...

4 गहनों के लिए कुछ खास टिप्स...

वर्ष: 10 | अंक: 90 | दिल्ली, गुरुवार, 22 जनवरी 2026 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

लालच की महामारी फैल चुकी है-राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शहरी इलाकों में बुनियादी ढांचे की स्थिति को लेकर बुधवार को दावा किया कि देश में लालच की महामारी फैल चुकी है और समाज मर रहा है क्योंकि शहरी सड़न को न्यू नॉर्मल (अब सामान्य बात) मान लिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पत्रकार का वीडियो का साझा किया जिसमें दिल्ली के किराड़ी इलाके में में कई घरों के सामने पानी और कचरा जमा होने का उल्लेख किया गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, हर आम भारतीय की जिंदगी आज ऐसी ही नर्क की यातना बन गई है। सिस्टम सत्ता के सामने बिक चुका है। सब एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं और मिलकर जनता को रौंदते हैं। उन्होंने कहा, देश में लालच की महामारी फैल चुकी है, शहरी सड़न जिसका सबसे डरावना चेहरा है। हमारा समाज इसलिए मर रहा है क्योंकि हमने इस सड़न को न्यू नॉर्मल मान लिया है, सुन्न, निशब्द, बेपरवाह। राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही की मांग करो, वरना यह सड़न हर दरवाजे तक पहुंचेगी।

नोएडा में सड़क हादसे में 19-वर्षीय छात्रा की मौत, ट्रक चालक गिरफ्तार

नोएडा (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर जनपद के नोएडा में हुए एक सड़क हादसे के सिलसिले में एक कैंटर ट्रक चालक को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस हादसे में 19-वर्षीय एक लड़की की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात को नोएडा के सेक्टर 49 पुलिस थाना क्षेत्र में तब हुई जब एक जगुआर कार का चालक कथित तौर पर कैंटर ट्रक से आगे निकलने की कोशिश कर रहा था और इसी दौरान कार, ट्रक और डिवाइडर के बीच आने से क्षतिग्रस्त हो गई। सेक्टर-49 थाना प्रभारी सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया गया है और मामले की जांच जारी है। भारद्वाज ने पीटीआई-को बताया, कैंटर के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच जारी है। घायल युवकों की हालत खतरे से बाहर है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय कार सवार युवक-युवती पुस्तकालय से लौट रहे थे। उन्होंने कहा, कैंटर से आगे निकलने की कोशिश करते समय कार, कैंटर और डिवाइडर के बीच आ गई जिससे मुख्य रूप से कार चालक की ओर का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

भारत प्रौद्योगिकी सृजनकर्ता के रूप में उभर रहा है-उपराष्ट्रपति

विकसित भारत का लक्ष्य सुनिश्चित करना है कि कोई भी भारत पर अपनी शर्तें न थोपे: उपराष्ट्रपति

संजना भारती/पीआईबी

बेंगलुरु। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बेंगलुरु स्थित सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रजत जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और संस्थान को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में 25 वर्षों की विशिष्ट सेवा पूरी करने पर बधाई दी।

उपराष्ट्रपति ने रजत जयंती समारोह को केवल समय के साथ संस्थान का बढना नहीं, बल्कि दूरदर्शिता, दृढ़ता और उद्देश्य परक यात्रा बताया। उन्होंने सीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना के मूल मान्यता संबंधी प्रतिबद्धता की सराहना की कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य केवल कुशल पेशेवर ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक और नैतिकता पूर्ण प्रणेता भी तैयार करना है। उन्होंने संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद-एनएएसी द्वारा सर्वोच्च ए++ ग्रेड मान्यता दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उपराष्ट्रपति ने संस्थान के इनक्यूबेशन सेंटर और सभागार का भी उद्घाटन किया।

राज्यपाल पद के अपने कार्य अनुभव का स्मरण करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने शैक्षणिक संस्थानों के श्रेणी निर्धारण और गुणवत्ता में सुधार पर लगातार जोर दिया था। उन्होंने कहा कि संस्थानों की खराब श्रेणी अक्सर शिक्षकों के रिक्त पदों की वजह से होती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षकों की अच्छी संख्या शैक्षणिक मानक,

विश्वसनीयता और जनविश्वास प्रत्यक्ष रूप से बढाती है।

श्री राधाकृष्णन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सलाह दी कि वे स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करें और दूसरों से अपनी तुलना किए बिना अपनी गति से लक्ष्य की ओर बढ़ें। उन्होंने कहा कि भाग्य हर किसी का साथ नहीं देता, लेकिन कड़े परिश्रम और सत्यनिष्ठा से सफलता अवश्य मिलती है, भले ही यह तुरंत न मिले, लेकिन निश्चित रूप से समय के साथ मिलती ही है। भारत के नवाचार-संचालित विकास का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश अब केवल प्रौद्योगिकी अपनाने वाला देश नहीं, बल्कि प्रौद्योगिकी सृजनकर्ता के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने स?मरण कराया कि जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय वैज्ञानिकों से इससे निपटने के लिए औषधि विकसित करने का आह्वान किया था, तब देश ने चुनौती का सामना करते हुए सफलतापूर्वक स्वदेशी टीके विकसित किए, जो भारत की वैज्ञानिक क्षमता और आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी पहल का उल्लेख करते हुए श्री राधाकृष्णन ने सीएमआरआईटी की सराहना की, जिसने नवोन्मेष और इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा 50 से अधिक स्टार्टअप उद्यों को बढ़ावा देकर जीवंत और मजबूत उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने में योगदान दिया है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षण संस्थान युवाओं के मार्गदर्शक होते हैं और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में अपरिहार्य भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य एक सुदृढ और शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करना है, न कि अन्य देशों पर शर्तें थोपना, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी कभी भारत पर शर्तें न थोप सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि राष्ट्र की शक्ति आत्मनिर्भरता, ज्ञान, नवाचार और नैतिक आत्मविश्वास पर आधारित होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत के युवाओं को भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना करने के लिए एक व्यापक योजना प्रदान करती है, बहुविषयक शिक्षा को प्रोत्साहित करती है और यह भारतीय संस्कृति, परंपरा और लोकाचार में गहराई से निहित है।

उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को हर प्रकार की लत से दूर रहने और मादक पदार्थों के सेवन के खतरों के प्रति सतर्क रहने को कहा। उन्होंने युवाओं से नशीली दवाओं को ना कहने और अपने साथियों को भी इसके लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी की अवधि को बढ़ाकर आगामी 18 दिसंबर, 2026 तक किया गया

पानीपत में स्थापित होगा अंतर्राष्ट्रीय स्तर का टैक्सटाईल संस्थान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पानीपत बुनकरों की और ऐतिहासिक नगरी है जहां का कपड़ा उद्योग हरियाणा के साथ-साथ पूरे भारत में नाम रौशन कर रहा है। पानीपत आज तेज गति से खाद्य प्रसंस्करण केन्द्र के रूप में भी तेजी से उभर रहा है। इसी को देखते हुए विभिन्न उद्योग संगठनों की मांग पर पानीपत में अंतर्राष्ट्रीय स्तर का टैक्सटाईल संस्थान बनाया जाएगा, जिसके लिए 10 एकड़ जमीन उपलब्ध करवाई जाएगी। इस संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मानकों पर तकनीकी दक्षता उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री बुधवार को पानीपत में आयोजित पानीपत, सोनीपत, और करनाल में टेक्सटाइल, फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री और विभिन्न उद्योगों से जुड़े प्रतिनिधियों से बजट पूर्व परामर्श बैठक में उपस्थित उद्योगपतियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न उद्योग संगठनों की मांग पर हरियाणा आत्मनिर्भर टेक्सटाइल पॉलिसी की अवधि को एक वर्ष के लिए बढ़ाकर 18 दिसंबर, 2026 तक कर दिया है।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री पूरे प्रदेश में किसानों और उपभोक्ताओं के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य कर रही है। किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य दिलाने, उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने और कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के फार्म टू फाईबर, फाईबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन और फैशन टू फोर्न फाइव-एफ के मंत्र का भी जिक्र किया और कहा कि हरियाणा में भी इसी फाइव-एफ विजन को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। पूंजीगत निवेश सब्सिडी के तहत अब मामलों की संख्या पर कोई सीमा नहीं रहेगी। अब जितने भी योग्य उद्यमी आएंगे, सरकार उन सबकी मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि हरियाणा आत्मनिर्भर टैक्सटाईल पॉलिसी के तहत 354 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनके लिए 367 करोड़ रुपये की ग्रांट स्वीकृत की जा चुकी है। यह पॉलिसी सभी उद्यमियों के विश्वास का प्रतीक है। आज दुनिया केमिकल-मुक्त और प्राकृतिक रंगों वाले कपड़ों की मांग कर रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि जिला पानीपत इस दिशा में ग्लोबल लीडर बन सकता है और यहां के लोग अब केवल पारंपरिक काम नहीं कर रहे, बल्कि वेस्ट टू वेल्थ और पेट टू फाईबर तथा एंटी बैक्टीरियल टॉवल्स जैसे नए प्रयोग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभी निर्यातकों से आग्रह किया कि केवल पारंपरिक माल नहीं बेचना है, हमें विश्व बाजार की संस्कृति और मांग को समझना है। पानीपत का कपड़ा जब यूरोप या अमेरिका जाए, तो उस पर लिखा मेड इन इंडिया और मेड इन हरियाणा दुनिया के लिए गुणवत्ता की गारंटी बन जाए। इसके लिए, मेडिकल टेक्सटाइल और टेक्निकल टेक्सटाइल जैसे नए क्षेत्रों में रिसर्च करनी होगी। इसके लिए बजट में विशेष पर्याप्त प्रावधान किए जा रहे हैं।

लोकतंत्र की आत्मा हैं न्याय, समता व बंधुता: योगी आदित्यनाथ

ज्वलंत मुद्दों पर लगातार चर्चा-परिचर्चा चलाती है यूपी विधानसभा-परिषद: मुख्यमंत्री

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में बुधवार को तीन दिवसीय 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश आए सभी अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि विधायिका लोकतंत्र की आधारभूत इकाई है। संविधान संरक्षक के रूप में यह अपनी भूमिका का निर्वहन करते हुए देश में न केवल विधायी कार्यों के लिए रूपरेखा तैयार करती है, बल्कि यह समग्र विकास की कार्ययोजना का मंच भी होती है। संविधान के तीन शब्द (न्याय, समता और बंधुता) भारत के लोकतंत्र की आत्मा के रूप में काम करते हैं। न्याय कैसे प्राप्त होना है, इसका कानून विधायिका के मंच पर तैयार होता है। समतामूलक समाज की स्थापना में सरकार की योजनाएं योगदान दे सकें, उसकी कार्ययोजना का स्थल भी विधायिका का मंच बनता है। विधायिका बंधुता का उदाहरण प्रस्तुत करती है, जहां सहमति व असहमति के बीच भी संवाद के माध्यम से समन्वय होता है।

सीएम योगी ने कहा कि देश में लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था अत्यंत मजबूत है और यह दुनिया के लिए प्रेरणा है। सदन में जनप्रतिनिधि के माध्यम से अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति की

आवाज मजबूती से सुनी जा सकती है और संसद इसकी प्रेरणा का केंद्रबिंदु है। उसके माध्यम से देश में योजनाएं बनती हैं। पांच बार लोकसभा सदस्य रहे योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संसद में रहकर सीखा कि सामान्य जीवन में सरकार की गतिविधियों, आपसी व्यवहार और नियम के अंतर्गत इन कार्यक्रमों को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है। विधान सभा-विधान परिषद केवल संसद के नियमों-परिनियमों का अवलोकन-प्रशिक्षण ले ले तो उसे अपने सदन संचालन में काफी आसानी होगी।

सीएम ने कहा कि सतीश महाना ने 2022 में विधानसभा अध्यक्ष का दायित्व संभाला तो मैंने उनसे कहा कि प्रश्नकाल में 20 तारांकित प्रश्न सूचीबद्ध होते हैं, लेकिन सवा घंटे के प्रश्नकाल में केवल दो-तीन सदस्य ही बोल पाते हैं। क्या हम भी इसे संसद की तर्ज पर आगे बढ़ा सकते हैं। इस पर उन्होंने तत्काल नियमावली में परिवर्तन किया। अब सवा घंटे में 20 तारांकित प्रश्न और हर प्रश्न के साथ दो-तीन अनुपूरक प्रश्न भी पूछ लिए जाते हैं। प्रश्न करने वाले और उत्तर देने वाले मंत्रीगण, दोनों पूरी तैयारी के साथ आते हैं। सदन में अधिक से अधिक जनप्रतिनिधियों की सहभागिता दिखती है। संसद हमारे लिए प्रेरणा बनी। हमारे पास सबसे बड़ी लोकतांत्रिक संस्था के रूप में संसद है। यदि हम कुछ कर रहे हैं तो संसद ही उसका आधार बनती है, उसके प्रति श्रद्धा हर भारतवासी का दायित्व है। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री के वक्तव्य भारत लोकतंत्र की जननी है का जिक्र किया, फिर कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहते थे कि ग्राम स्वराज की परिकल्पना को गांवों ने साकार किया। देश में रूपरंग, खानपान, वेशभूषा अलग हो सकते हैं, लेकिन पूरा भारत एक भाव-एक भंगिमा के साथ बोलता और सोचता है। उसकी आस्था एक होती है। संसद उस आस्था को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। संसद को आदर्श के रूप में बढ़ाएंगे तो विधायिका और मजबूत-सशक्त होगी।

सीएम योगी ने सम्मेलन में पारित हुए छह महत्वपूर्ण प्रस्तावों को अभिनंदनीय बताया और कहा कि प्रधानमंत्री ने आजादी के अमृत महोत्सव में आगामी 25 वर्ष की कार्ययोजना बनाने को कहा। विजन 2047- विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के संकल्प के साथ हम आगे बढ़े हैं। सीएम ने कहा कि विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर भारत-आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश पर सत्तापक्ष व विपक्ष के 300 से अधिक सदस्य 24 घंटे तक चलने वाली चर्चा के सहभागी बने। चर्चा का शुभारंभ करने के बाद मैं कुछ देर बैठा रहा, फिर अन्य प्रशासकीय कार्यों व बैठकों के लिए जाना पड़ा। रात 11 बजे मैं फिर सदन में आया तो भी यहां बोलने की होड़ दिखी। बहुत अच्छे सुझाव आए। हर व्यक्ति के अनुभव का लाभ अत्यंत प्रभावी होता है।

विधानसभा-परिषद में लोगों ने विकास के बारे में मुद्दों को रखा और विकसित भारत के लिए अपनी जिम्मेदारी का भी जिक्र किया। विकसित भारत केवल भारत सरकार, प्रधानमंत्री का ही कार्य नहीं है, हम भी कैसे इस अभियान के सारथी-सिपाही बन सकते हैं, इस पर भी चर्चा हुई। पीठासीन अधिकारियों के इस सम्मेलन में भी इस प्रस्ताव को पारित करते हुए, प्रभावी ढंग से इसको आगे बढ़ाने के लक्ष्य के साथ विकसित भारत की परिकल्पना को साकार बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों को सार्थक गति प्रदान की है।

सीएम ने कहा कि यूपी में सदन की कार्यवाही की प्रशंसा की। कहा, यहां कार्यवाही अत्यंत सुगमता से चलती है।

जनभागीदारी से और भव्य होगा उत्तर प्रदेश दिवस-2026: सीएम योगी आदित्यनाथ

संजना भारती संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के प्रत्येक जनपद की सक्रिय सहभागिता, सांस्कृतिक विविधता और विकास की साझा चेतना के साथ उत्तर प्रदेश दिवस-2026 इस वर्ष एक भव्य जनोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। 24 से 26 जनवरी 2026 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन में उत्तर प्रदेश की संस्कृति, शिल्प, व्यंजन और विकास यात्रा को जनभागीदारी के माध्यम से एक ही मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को उत्तर प्रदेश दिवस की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह आयोजन केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रदेश की पहचान, उपलब्धियों और संभावनाओं को जनसहयोग के साथ प्रदर्शित करने का अवसर है। उन्होंने निर्देश दिए कि उत्तर प्रदेश दिवस को जनोत्सव के रूप में आयोजित किया जाए, जिसमें प्रदेश की आत्मा हर स्तर पर दिखाई दे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष उत्तर प्रदेश दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह जी की गरिमामयी उपस्थिति आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे यूपी दिवस-2026 के मुख्य अतिथि

प्रदान करेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं गरिमा, अनुशासन एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित की जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजधानी लखनऊ स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर मुख्य समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसका सीधा प्रसारण प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा, ताकि उत्तर प्रदेश दिवस का उत्सव एक साथ पूरे प्रदेश में मनाया जा सके। बैठक में अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश की थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और शिल्प मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रदेश की विकास यात्रा, नवाचार, बुनियादी ढांचे, उद्योग, कृषि, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इस वर्ष एक जनपद-एक व्यंजन को आयोजन का प्रमुख आकर्षण होगा। इसके अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के पारंपरिक और विशिष्ट व्यंजन एक ही परिसर में उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि आगंतुक उत्तर प्रदेश के विविध स्वाद, खान-पान परंपराओं और स्थानीय पहचान से परिचित हो सकें।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संस्कृति उत्सव 2025-26 के अंतर्गत प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों को उत्तर प्रदेश दिवस से प्रभावी रूप से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति-हमारी पहचान की भावना के अनुरूप लोक, शास्त्रीय एवं समकालीन कला रूपों को मंच प्रदान किया जाए तथा कलाकारों एवं आगंतुकों के लिए समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 24 जनवरी को आयोजित मुख्य समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सभी जनपदों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाए, ताकि प्रदेश की सामूहिक उपलब्धियों का सम्मान किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश दिवस-2026 को ऐसा आयोजन बनाया जाए, जो प्रदेश की संस्कृति, स्वाद, शिल्प और विकास दृष्टि को एक साथ प्रस्तुत करे तथा प्रत्येक आगंतुक के लिए यह अनुभव प्रेरणादायी, स्मरणीय और गर्व का विषय बने।

गुणवत्ता से समझौता करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई होगी, जवाबदेही की तय: सौंद

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने राज्य में बन रहे ग्रामीण खेल मैदानों की प्रगति और गुणवत्ता को लेकर सरकार के सख्त रुख को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पूरे राज्य में 3,100 ग्रामीण खेल मैदान तैयार कर रही है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशों की दलदल से निकालकर खेलों की ओर प्रेरित करना है।

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री सौंद ने बताया कि प्रोजेक्ट की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने तीन विशेष फ्लाइंग स्क्वाड तैनात किए हैं। ये दल सरकार की आंखें और कान के रूप में काम करेंगे और विभिन्न गांवों में जाकर जमीनी स्तर पर जांच करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब केवल कागजी कार्रवाई नहीं चलेगी, जमीन पर काम की गुणवत्ता दिखनी अनिवार्य है। उन्होंने आगे बताया कि खेल मैदानों की जमीनी रिपोर्ट के लिए हमने एक एमआइएस पोर्टल तैयार किया है, जिसमें संबंधित अधिकारी को विकास कार्य की हर 15 दिनों में फोटो और जियो टैगिंग के साथ रिपोर्ट भेजनी होगी।

सिस्टम में सुधार का सख्त संदेश देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि जहां भी झूठी रिपोर्टिंग या काम में लापरवाही पाई गई, वहां तुरंत कार्रवाई अमल में लाई गई है। कई अधिकारियों को निलंबित किया गया है और कारण-बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी तरह का राजनीतिक दखल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सौंद ने बताया कि पूरे पंजाब में एकसमान तकनीकी मानक लागू किए गए हैं। काम की निगरानी के लिए तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) के टेक्नो-फाइनेंशियल ऑडिट की मदद ली जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी पैसे की एक-एक पाई का हिसाब रखा जा रहा है ताकि ग्रामीण पंजाब को वर्ल्ड-क्लास आधारभूत ढांचा मिल सके। उन्होंने कहा कि इस मुहिम में सरपंचों, ग्राम पंचायतों और स्थानीय खेल क्लबों को भी महत्वपूर्ण हिस्सेदार बनाया गया है। मंत्री ने कहा कि ये सभी संस्थाएं इस प्रोजेक्ट में केवल दर्शक नहीं हैं, बल्कि हमारे साथी हैं जो गांव के विकास की निगरानी करेंगे।

सांसद आदित्य यादव मृतक श्रमिकों के परिजनों से मिलेंगे

संजना भारती ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूँ। समाजवादी पार्टी के बदायूं संसदीय क्षेत्र से सांसद आदित्य यादव दिनांक 22 जनवरी 2026 (गुरुवार) को जनपद बदायूं पहुंचेंगे जहां वह विगत दिनों थाना उझानी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कुढानरसिंहपुर स्थित मैन्था फैक्ट्री हादसे में मृतक श्रमिकों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें शोक संवेदना व्यक्त करेंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार: सांसद आदित्य यादव अपरान्ह 12.00 बजे बिल्सी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम वसावनपुर पहुंचेंगे, जहाँ वह हादसे में मृतक जुगेन्द्र यादव के परिजनों से भेंट करेंगे और उन्हें ढाढस बंधाएंगे। इसके पश्चात अपरान्ह 2.00 बजे विधानसभा क्षेत्र शेखूपुर के ग्राम पसेई में मृतक विवेक यादव के परिजनों से मुलाकात करेंगे। तत्पश्चात अपरान्ह 3.00 बजे विधानसभा क्षेत्र दातागंज के ग्राम मुडसेना पहुँचकर मृतक वीरभान सिंह यादव के परिजनों से शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद माननीय सांसद आदित्य यादव अपने संसदीय क्षेत्र का भ्रमण करेंगे। भ्रमण के दौरान वह विभिन्न गांवों एवं कस्बों में पहुँचकर क्षेत्रवासियों के सुख-दुःख में सहभागी होंगे और आमजन, कार्यकर्ताओं तथा स्थानीय लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुनेंगे।

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला कैंप में उत्तर प्रदेश को मिला सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार। (छाया: संजना भारती)

सम्पादकीय

चीन की लगातार घटती जनसंख्या

दुनिया को चौंकाने वाली खबरें अक्सर युद्ध या अर्थव्यवस्था से आती हैं, लेकिन इस समय चीन के लिए सबसे बड़ी चुनौती किसी सीमा पर नहीं बल्कि उसके घरों के भीतर जन्म ले रही है। चीन की जनसंख्या लगातार घट रही है और यह गिरावट अब अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रुझान बन चुकी है। हालात यह हैं कि सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद चीन में बच्चे पैदा करने की इच्छा तेजी से खत्म होती जा रही है और जन्म दर ऐतिहासिक निचले स्तर पर पहुंच गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार चीन की कुल आबादी लगातार चौथे वर्ष घटी है। बीते वर्ष देश में जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले कई दशकों में सबसे कम रही। जन्म दर इतनी नीचे आ चुकी है कि वह आबादी को स्थिर रखने के लिए जरूरी स्तर से काफी कम है। इसके उलट बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है जिससे चीन एक युवा देश से तेजी से बूढ़े देश में बदलता जा रहा है। चीन ने इस संकट से निपटने के लिए नीतिगत स्तर पर कई बड़े फैसले किए। पहले एक बच्चा नीति को खत्म किया गया फिर दो बच्चों और बाद में तीन बच्चों की अनुमति दी गई। इसके साथ ही सरकार ने बच्चों के पालन पोषण के लिए सब्सिडी, टैक्स छूट और सामाजिक सुविधाओं की घोषणा भी की। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि युवा दंपती इन प्रलोभनों से प्रभावित नहीं हो रहे। महंगे घर, शिक्षा की ऊंची लागत, नौकरी की असुरक्षा और काम का बढ़ता दबाव युवाओं को शादी और बच्चे से दूर कर रहा है। शहरों में रहने वाले युवाओं के लिए एक बच्चे को पालना ही आर्थिक बोझ बन गया है, ऐसे में दूसरा या तीसरा बच्चा उनके लिए कल्पना से बाहर है। इसी पृष्ठभूमि में चीन सरकार ने कंडोम और गर्भनिरोधक उत्पादों पर टैक्स लगाने का फैसला किया। इसका उद्देश्य अप्रत्यक्ष रूप से जन्म दर बढ़ाना बताया गया। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम वास्तविक समस्या को छूता भी नहीं है। बच्चे न होने की वजह कंडोम नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक दबाव हैं। यह फैसला दरअसल चीन की सरकार की हताशा को दिखाता है कि वह जन्म दर बढ़ाने के लिए प्रतीकात्मक उपायों तक सिमटती जा रही है। जब तक जीवन की गुणवत्ता और भविष्य की सुरक्षा का भरोसा नहीं मिलेगा तब तक युवा परिवार बच्चे पैदा करने का जोखिम नहीं उठाएंगे। देखा जाये तो घटती जनसंख्या का सबसे बड़ा असर चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। कामकाजी उम्र की आबादी कम होने से श्रम शक्ति घटेगी और उत्पादन लागत बढ़ेगी। इससे चीन की तेज विकास दर पर ब्रेक लग सकता है। साथ ही बुजुर्गों की बढ़ती संख्या पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव डालेगी। साथ ही, चीन जिसे दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता था अब उसे मशीनों और स्वचालन पर ज्यादा निर्भर होना पड़ेगा। यह बदलाव महंगा भी होगा और समय लेने वाला भी। वहीं, चीन की जनसंख्या गिरावट का असर केवल उसकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित होंगी, सस्ते श्रम पर आधारित उद्योगों का स्वरूप बदलेगा और दुनिया की आर्थिक संरचना में बदलाव आएगा। कई देश जो चीन पर निर्भर हैं उन्हें नए विकल्प तलाशने होंगे। इसके साथ ही वैश्विक मांग में कमी आने से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। चीन का घरेलू बाजार कमजोर होने का मतलब है कि दुनिया की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा इंजन धीमा पड़ रहा है। देखा जाये तो जनसंख्या किसी भी देश की सामरिक शक्ति की रीढ़ होती है। युवाओं की कमी का असर चीन की सैन्य भर्ती और दीर्घकालिक रणनीति पर भी पड़ेगा। इसके चलते भविष्य में चीन को संख्या आधारित सैन्य शक्ति की बजाय तकनीक आधारित सेना पर ज्यादा निर्भर होना पड़ेगा। यह बदलाव चीन की वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी प्रभावित कर सकता है। एक बूढ़ी होती आबादी के साथ लंबे समय तक आक्रामक रणनीति बनाए रखना आसान नहीं होता। इसमें कोई दो राय नहीं कि चीन की घटती जनसंख्या एक गहरा सामाजिक और आर्थिक संकट है। कंडोम पर टैक्स जैसे उपाय समस्या का समाधान नहीं बल्कि उसकी गंभीरता को उजागर करते हैं। जब तक युवाओं को सुरक्षित भविष्य, सस्ती शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं और संतुलित जीवन नहीं मिलेगा तब तक जन्म दर बढ़ने की उम्मीद करना भ्रम ही रहेगा। यह संकट चीन के साथ-साथ पूरी दुनिया की दिशा और शक्ति संतुलन को भी बदलने की क्षमता रखता है। साफ है कि ड्रैगन अब बाहर नहीं बल्कि भीतर से जूझ रहा है। बहरहाल, चीन की घटती जनसंख्या और तेजी से बूढ़ी होती आबादी का असर दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति पर भी साफ दिखाई देगा और यह बदलाव भारत के लिए अवसर जबकि पाकिस्तान के लिए चुनौती बन सकता है। दरअसल, चीन की युवा आबादी कम होने से उसकी आर्थिक और सैन्य क्षमता धीरे-धीरे दबाव में आएगी, जिससे भारत को दीर्घकाल में रणनीतिक संतुलन साधने का मौका मिलेगा। भारत की युवा और कार्यशील जनसंख्या उसे उत्पादन, तकनीक, रक्षा और वैश्विक निवेश के क्षेत्र में स्वाभाविक बढ़त दिला सकती है, वहीं चीन का ध्यान आंतरिक सामाजिक और आर्थिक समस्याओं पर ज्यादा केंद्रित रहेगा।

जयंती

ठाकुर रोशन सिंह

जन्म-22 जनवरी, 1892, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश, शहादत-19 दिसम्बर, 1927, नैनी जेल, इलाहाबाद, भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 9 अगस्त, 1925 को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पास 'काकोरी' स्टेशन के निकट 'काकोरी काण्ड' के अंतर्गत सरकारी खजाना लूटा गया था। यद्यपि ठाकुर रोशन सिंह ने 'काकोरी काण्ड' में प्रत्यक्ष रूप से भाग नहीं लिया था, फिर भी उनके आकर्षक व रौबीले व्यक्तित्व को देखकर डकैती के सूत्रधार रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ और राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी के साथ उन्हें भी फाँसी की सजा दे दी गई।

पुण्यतिथि

शाहजहाँ

जन्म: 5 जनवरी, 1592, लाहौर; मृत्यु: 22 जनवरी, 1666, आगरा, पाँचवाँ मुगल शहंशाह था। शाहजहाँ अपनी न्यायप्रियता और वैभवविलास के कारण अपने काल में बड़ा लोकप्रिय रहा। शाहजहाँ को सम्राट जहाँगीर के मौत के बाद, छोटी उम्र में ही उन्हें मुगल सिंहासन के उत्तराधिकारी के रूप में चुन लिया गया था। 1627 में अपने पिता की मृत्यु होने के बाद वह गद्दी पर बैठा।

कल मिलेंगे

जीजा-अच्छा ये बताओ, समझदार पत्नी क्या होती है?
साली-समझदार पत्नी वहीं होती है, जो अपने पति का बार-बार खर्चा करवाकर ऐसी हालत कर दे, कि वो दूसरी औरत के बारे में सोचना ही छोड़ दे...

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत?

विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है

-कमलेश पांडेय

प्राचीनकाल में मनुस्मृति से लेकर आधुनिक काल के संविधान तक हिंदू समुदाय में जिस जातिवाद को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में बढ़ावा दिया गया, वह अब दुनिया के तीसरे बड़े धर्म सनातन (हिन्दू) के लिए अभिशाप साबित हो रहा है। जिस तरह से सियासी गोलबंदी के लिए जातिवाद को हवा दी जा रही है, वह किसी लोकतांत्रिक कलंक से कम नहीं है। अब तो प्रशासनिक और न्यायिक निर्णय भी इसे हवा देते प्रतीत हो रहे हैं।

मसलन, इससे निरंतर कमजोर हो रहे हिन्दू समाज की एकजुटता के दृष्टिगत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की चिंता स्वाभाविक है। यह उन जैसे सैकड़ों मशहूर लोगों के लिए भी सार्वजनिक चिंता का विषय रहा है। लेकिन हमारी संसद और सरकार के लिए यह कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जातिवादी खिलौने से मतदाताओं को फुसलाने के संवैधानिक तरकीब उसने विकसित कर लिए हैं और आधिकारिक निर्णयों में भी इसका भौंडा प्रदर्शन दिखाई दे जाता है।

बता दें कि विगत 18 जनवरी 2026 को छत्रपति संभाजीनगर में संघ सरचालक मोहन भागवत ने कहा कि जातिगत भेदभाव समाप्त करने के लिए जाति को मन से मिटाना होगा, जो ईमानदारी से करने पर 10-12 वर्षों में संभव है। एक तरह से उनका यह बयान जातिवाद की गहरी जड़ों को देखते हुए आशावादी तो लगता है, लेकिन इसकी व्यवहारिकता पर सवाल उठते हैं क्योंकि जाति भारत की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संरचना में गहराई से बसी हुई है।

अब तो संविधान से लेकर जनगणना तक इसने घुसपैठ कर ली है। इसलिए जब तक सत्ता प्रतिष्ठान को सद्बुद्धि नहीं आएगी, तबतक जाति मुक्त भारत या हिन्दू समाज की परिकल्पना बेमानी प्रतीत होती है। इसलिए यक्ष प्रश्न पुनः समुपस्थित है कि क्या हिंदुओं की जातीय मानसिकता को बदल पाएंगे संघ प्रमुख मोहन भागवत? क्या जाति आधारित आरक्षण सम्बन्धी सोच को बदल पाएंगे मोहन भागवत? क्योंकि जबतक ऐसा नहीं होगा, उनकी तमाम कोशिशें नाकाफी प्रतीत होंगी!

फिलवक्त मोहन भागवत ने बताया कि जाति मूल रूप से पेशे से जुड़ी थी, लेकिन बाद में भेदभाव का कारण बनी। उन्होंने जोर दिया कि कानून या घोषणाओं से नहीं, बल्कि मानसिकता बदलने से यह जटिल समस्या हल होगी। देखा जाए तो यह युगांतरकारी विचार पहले भी व्यक्त किया गया है, जैसे 2023 में जाति को 'पंडितों की देन' उन्होंने ही बताया था, लेकिन नेताओं और नौकरशाहों की संवैधानिक हठधर्मिता शायद उन्होंने विस्मृत कर डाली, ताकि आरक्षणवादी कोहराम न मचाएं। जातिवाद ग्रामीण रोजगार, विवाह और राजनीति में प्रबल है, जहां आरक्षण और वोट बैंक इसे बनाए रखते हैं। भले ही प्रतिक्रियाओं में इसे 'चुनावी जुमला' कहा गया, क्योंकि ऐसे बयान कार्रवाई में नहीं बदलते। यही वजह है कि सामाजिक सुधारों के बावजूद, अंतरजातीय विवाह कम हैं और भेदभाव जारी है।

यह ठीक है कि इस दिशा में जारी ईमानदार प्रयास से जागरूकता बढ़ सकती है, लेकिन राजनीतिक इच्छाशक्ति और कानूनी सख्ती के बिना 10-12 वर्षों का लक्ष्य अवास्तविक लगता है। फिर भी यदि यह पुनीत सपना साकार होता है तो इससे नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण में सहायता मिल सकती है। वहीं नागरिक समाज, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण से ही यह पवित्र सपना साकार होगा। देखा जाए तो आरएसएस ने जातिवाद समाप्ति के लिए लंबे समय से सामाजिक समरसता व सामाजिक सद्भाव को प्रमुख लक्ष्य बनाया है, जिसमें जागरूकता अभियान, गांव-स्तरीय प्रयास और शाखाओं के माध्यम से कार्यकताओं को प्रेरित करना शामिल है। हालांकि, आलोचक इसे सतही मानते हैं क्योंकि संगठन की आंतरिक संरचना और ऐतिहासिक रुख में जातिगत प्रभाव दिखता रहा है। बावजूद इसके, आरएसएस ने 2023 से "सामाजिक समरसता परियोजना" शुरू की, जिसमें 13,000+ गांवों में कुओं, श्मशानों और मंदिरों में दलित प्रवेश पर रोक हटाने का सर्वे और जागरूकता अभियान चलाया। वहीं संघ शाखाओं (95,000+) के जरिए कार्यकर्ता गांवों, स्कूलों और मंदिरों में जाकर छुआछूत विरोधी संदेश फैलाते हैं, साथ में सामूहिक भोज के द्वारा भोजन करते हैं और सामूहिक विवाह को बढ़ावा देते हैं।

यही वजह है कि बिहार, हरियाणा, उड़ीसा, महाराष्ट्र जैसे चुनावों में हिंदू वोटों को जाति से ऊपर उठाने में संघ की उपर्युक्त पहल सहायक साबित हुई, जिससे भाजपा को प्रत्यक्ष लाभ हुआ। साथ ही शाखाओं में जाति-निरपेक्षता का वातावरण स्थापित हुआ। यही नहीं, संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठकों में भी इसे प्राथमिकता दी गई, जैसे 2024 के आम चुनावों तक इस विषयक अभियान चलाने का फैसला संपन्न हुआ।

वहीं, संगठन के भीतर जारी आंतरिक प्रयास के तहत संघ की शाखाओं में जाति को नजरअंदाज कर "सभी हिंदू एक परिवार" का सिद्धांत अपनाया जाता है, जिसकी शुरूआत संस्थापक हेडगेवार ने की थी। वहीं, संवैधानिक आरक्षण पर भी समर्थन जताया गया है, ताकि दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों आदि का भरोसा आरएसएस में मजबूत हो। हालांकि हालिया बयानों में इसे जातिवाद बढ़ाने वाला भी कहा गया। साथ ही साल 2024 में जाति जनगणना का संघ ने समर्थन किया गया ताकि योजनाएं बेहतर हों, बशर्ते राजनीतिक दुरुपयोग न हो।

कहना न होगा कि आरएसएस के इन सदाशयी प्रयासों के बावजूद, उस पर ब्राह्मण वर्चस्व और आरक्षण विरोध के पुराने आरोप लगते रहे हैं। आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों पर कई गंभीर आलोचनाएं भी आई हैं, जो मुख्य रूप से इनके प्रचारात्मक, असंगठित और हिंदू एकता को प्राथमिकता देने वाले स्वरूप पर केंद्रित हैं। जिसके चलते आलोचक इन्हें सतही बताते हैं क्योंकि संगठन ने जाति व्यवस्था को जड़ से चुनौती नहीं दी। अक्सर सवाल उठाया जाता है कि विगत 100 वर्षों में कोई प्रमुख दलित या आदिवासी संघ सरसंघचालक नहीं बना, जिससे आंतरिक ब्राह्मण वर्चस्व के आरोप बने हुए हैं। वहीं, आरक्षण पर अस्पष्ट रुख और जाति जनगणना को राजनीतिक दुरुपयोग रोकने की शर्त रखना आलोचना का कारण बना। वहीं छुआछूत जैसी प्रथाएं ग्रामीण भारत में बनी हुई हैं।

अलबत्ता, मोहन भागवत जैसे नेताओं के बयान सकारात्मक हैं, लेकिन व्यावहारिक बदलाव सीमित दिखते हैं क्योंकि जाति राजनीति में गहरी पैठ रखती है। भले ही भागवत के समग्र मूल्यांकन प्रयासों से जनजागरूकता बढ़ी, लेकिन जाति राजनीति और सामाजिक जड़ों को तोड़ने में ये पहल अपर्याप्त साबित हुए। ऐसा इसलिए कि गहरे बदलाव के लिए राजनीतिक समर्थन और कानूनी सख्ती की स्पष्ट कमी रही। यही वजह है कि आरएसएस के जातिवाद विरोधी प्रयासों में सीमित सफलता मिली है, जो मुख्यतः जागरूकता और कुछ स्थानीय स्तर के बदलावों तक सीमित रहकर, जबकि व्यापक सामाजिक परिवर्तन में असफलता दिखती है। आलोचकों के अनुसार, ये प्रयास हिंदू एकता को मजबूत करने के लिए प्रतीत होते हैं, न कि जाति व्यवस्था को जड़ से समाप्त करने के लिए।

जहां तक आरएसएस की ऐतिहासिक और वैचारिक कमियों की बात है तो संघ ने कभी जाति-विनाश का आंदोलन नहीं चलाया, और वर्ण व्यवस्था पर अमूमन मौन रहा, जो तार्किकता वश स्वाभाविक बात है। वहीं, आरक्षण विरोधी भागवत के पुराने बयानों से दलित-बहुजन असंतुष्ट हैं, और उनके प्रयासों को छुआछूत रोकने तक सीमित माना जाता है। इतना ही नहीं, आरएसएस की समरसता सम्बन्धी अभियानों को सतही तक कहा जाता है क्योंकि ये जाति व्यवस्था की जड़ों पर प्रहार करने के बजाय छुआछूत जैसे सतही लक्षणों को ही लक्षित करते हैं, जबकि वर्णाश्रम धर्म को अप्रत्यक्ष रूप से बनाए रखते हैं।

यही वजह है कि आरएसएस के दलित-ओबीसी आलोचक इन्हें हिंदू एकता मजबूत करने का प्रचार माध्यम मानते हैं, न कि सच्चे सामाजिक न्याय का उपकरण। खासकर वर्ण व्यवस्था पर मौन अभियान अस्पृश्यता विरोधी दिखते हैं, लेकिन जन्म-आधारित जाति और वर्ण प्रथा को चुनौती नहीं देते, जो भेदभाव की मूल जड़ है। यह ठीक है कि आरएसएस विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी जैसे नेताओं ने समरसता को हिंदू संगठन की पूर्वशर्त बनाया, जबकि कांशीराम जैसे दलित नेताओं को उन्होंने "बाधक" कहा।

उधर, आरएसएस के पूर्व सदस्यों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का खुलासा किया है। पूर्व कारसेवक भंवर मेघवंशी जैसे लोगों ने भी शाखाओं में जातिगत भेदभाव का अनुभव किया। जिससे दशकों बाद भी कोई व्यापक सामाजिक परिवर्तन नहीं दिखा; और 99 वर्षों में भी शीर्ष दलित नेता का अभाव सतहीपन दर्शाता है। लिहाजा, आरएसएस के सामाजिक समरसता अभियानों को विपक्षी ताकतों के खिलाफ हिंदू एकता मजबूत करने का हथियार माना जाता है, न कि वास्तविक सामाजिक न्याय का।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

सिंधु जल संधि पर भारत के रुख से घबराया पाकिस्तान

(एजेन्सी)। **पाकिस्तान** ने संयुक्त राष्ट्र को चेतावनी दी है कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने के निर्णय से उसकी जल सुरक्षा के लिए एक अभूतपूर्व संकट उत्पन्न हो गया है और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरा पैदा हो सकता है। इस्लामाबाद की यह चिंता दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है, जहां पाकिस्तान के अधिकारी इस कदम को महत्वपूर्ण जल संसाधनों तक उसकी पहुंच को चुनौती देने के व्यापक प्रयास का हिस्सा बता रहे हैं। कनाडा और संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय जल नीति बैठक में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत उस्मान जादून ने नई दिल्ली की कार्रवाई को जल का शस्त्रीकरण बताया। उन्होंने भारत पर 1960 की संधि का उल्लंघन करने का आरोप लगाया एक ऐसा समझौता जिसे लंबे समय से सिंधु नदी प्रणाली के प्रबंधन और बंटवारे के लिए एक विश्वसनीय ढांचा माना जाता रहा है।

जादून ने आरोप लगाया कि भारत के हालिया आचरण में नीचे की ओर जल प्रवाह को बिना पूर्व सूचना के बाधित करना और महत्वपूर्ण जलवैज्ञानिक डेटा को छिपाना शामिल है। उन्होंने दावा किया कि इन कार्रवाइयों ने पाकिस्तान के लिए जल आपूर्ति को और अधिक अनिश्चित बना दिया है, जो कृषि और रोजमर्रा की जिंदगी के लिए सिंधु बेसिन पर काफी हद तक निर्भर है। मूल संधि के तहत, भारत को पूर्वी नदियों (सतलुज, ब्यास और रावी) के असीमित उपयोग का अधिकार है, जबकि पाकिस्तान पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम और चिनाब) के प्रवाह पर निर्भर है। लेकिन पिछले साल अप्रैल से, जब भारत ने पाकिस्तान के साथ बाढ़ की चेतावनी और महत्वपूर्ण मौसमी जल डेटा साझा करना बंद कर दिया, तब से इस्लामाबाद का कहना है कि उसे जल स्तर का अनुमान लगाने और कृषि आवश्यकताओं की प्रभावी ढंग से योजना बनाने में कठिनाई हो रही है।

भारत-चीन को साथ लेकर दोस्त रूस ने बनाया ऐसा तगड़ा प्लान, घबराए ट्रंप!

(एजेन्सी)। **अब** वो वक्त दूर नहीं है जब ट्रंप की हरकतों की वजह से अमेरिका अपनी बबार्दी खुद देखेगा। जिसकी तैयारी शुरू हो गई है। इस वक्त दुनिया भर के देश अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की तानाशाही और दादागिरी से परेशान हैं। सुपर पावर की सनक में ट्रंप किसी भी देश को झुकाने के लिए उस पर दबाव डालने लग जाते हैं और जो देश उनके हिसाब से नहीं चलता उसमें वो तख्ता पलट कराने की कोशिशों में जुट जाते हैं। टैरिफ तो उन्होंने ऐसा हथियार बना लिया है कि बातबात पर उसकी धमकी देते रहते हैं। ऐसे में हर कोई चाहता है कि धमकीबाज ट्रंप की इन हरकतों से कैसे छुटकारा मिले। वैसे तो ट्रंप के खिलाफ अब यूरोप के देशों ने भी मोर्चा खोल दिया है। लेकिन अभी भी दुनिया की निगाह उन तीन महाशक्तियों पर है जो ट्रंप का अच्छा खासा इलाज कर सकती हैं। वो महाशक्तियां हैं भारत, रूस और चीन। जहां रूस अभी यूक्रेन युद्ध में उलझा हुआ है और मौके के साथ ही ट्रंप को भी सबक सिखा रहा है। चीन भी अमेरिका को कुछ हद तक टक्कर दे रहा है। लेकिन भारत इन दिनों ट्रंप को खुलेआम चुनौती दे रहा है। भारत को झुकाने के लिए ट्रंप अब तक 50% टेरिफ लगा चुके हैं। और भी टेरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। लेकिन फिर भी भारत डटकर सामना कर रहा है। ट्रंप के हर हथियार की काट कर रहा है। इसीलिए तो ट्रंप बुरी तरह से बौखलाए हुए हैं। ट्रंप को पता है कि भारत में ना तो तख्तापलट वाली साजिश काम आएगी और ना ही भारत इतना कमजोर है कि टेरे से उसका सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। क्योंकि भारत हर मुश्किल में अवसर तलाशने के लिए जाना जाता है। लेकिन अब भारत के दोस्त रूस ने एक ऐसा ऐलान किया है कि जिसने ट्रंप की मुसीबत बढ़ा दी है। दरअसल रूस ने अमेरिका की अकड़ ढीली करने के लिए भारत और चीन को एक साथ आने की अपील की है। रूस के विदेश मंत्री सरगई लावरो ने रिक यानी रूस भारत चीन का त्रिपक्षीय गठबंधन फिर से शुरू करने का आह्वान किया है।

सूर्यकुमार यादव के फॉर्म पर चिंता, रोहित शर्मा ने बताई टीम इंडिया की बड़ी चुनौती

(एजेन्सी)। **भारतीय** क्रिकेट के टी20 ढांचे को लेकर इन दिनों अंदरूनी मंथन तेज हो गया है। इसकी बड़ी वजह टीम के मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का बल्ले से लगातार जूझना माना जा रहा है। हाल तक दुनिया के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज रहे सूर्यकुमार का 2025 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे 2026 में भारत में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ गई है।

इस मुद्दे पर भारत को टी20 विश्व कप 2024 का खिताब दिलाने वाले कप्तान रोहित शर्मा ने हाल ही में खुलकर अपनी राय रखी। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, रोहित शर्मा का मानना है कि किसी एक बल्लेबाज का खराब फॉर्म पूरी बल्लेबाजी इकाई को प्रभावित करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ कप्तान के व्यक्तिगत फॉर्म का सवाल नहीं है, बल्कि पूरी टीम के संतुलन से जुड़ा मामला है।

एक इंटरव्यू में रोहित शर्मा ने कहा कि टीम के पास आमतौर पर सात-आठ प्रमुख बल्लेबाज होते हैं और अगर उनमें से कोई एक रन नहीं बना पा रहा होता है, तो टीम मानो एक बल्लेबाज कम के साथ खेल रही होती है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यदि सूर्यकुमार यादव रन नहीं बनाते हैं, तो भारतीय बल्लेबाजी की धार वैसी नहीं रह पाती जैसी होनी चाहिए। उनके मुताबिक, हर बल्लेबाज का योगदान जरूरी है ताकि बाकी खिलाड़ियों पर अतिरिक्त दबाव न पड़े।

हालांकि रोहित शर्मा ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी और क्रिकेट समझ की सराहना भी की है। रोहित के अनुसार, सूर्यकुमार के पास खेल की गहरी समझ है और वह अच्छी तरह जानते हैं कि अपने साथ खेलने वाले खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कैसे निकलवाया जाए।

एयरटेल ने कोलकाता के विद्यासागर सेतु पर मोबाइल संपर्क सेवा की शुरू

(एजेन्सी)। **भारती** एयरटेल हुगली नदी पर बने कोलकाता के विद्यासागर सेतु पर निर्बाध मोबाइल संपर्क प्रदान करने वाली पहली दूरसंचार सेवा प्रदाता बन गई है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि कोलकाता और हावड़ा के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग पर निर्बाध वॉइस एवं डेटा सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस परियोजना में पूरे मार्ग पर 1.3 किलोमीटर फाइबर बिछाना तथा छह खंभों पर नेटवर्क एंटेना लगाना शामिल था ताकि शून्य ड्रॉप जोन सुनिश्चित किया जा सके।

यह पहल पश्चिम बंगाल सरकार, पश्चिम बंगाल पुलिस यातायात विभाग और हुगली नदी पुल आयुक्त (एचआरबीसी) के सहयोग से कार्यान्वित की गई। भारती एयरटेल के पश्चिम बंगाल एवं ओडिशा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अयान सरकार ने कहा कि इस व्यस्त गलियारे पर संपर्क यात्रियों के साथ-साथ आपातकालीन सेवाओं एवं यातायात प्रबंधन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

कंपनी ने बताया कि नेटवर्क की गति और कवरेज में सुधार के लिए उसने पिछले तीन वर्ष में समूचे पश्चिम बंगाल में 5,250 से अधिक नई नेटवर्क साइट स्थापित की है।

भोजपुरी फिल्म 'साढ़ू जी नमस्ते' का प्रमोशन सम्पन्न, कलाकारों ने मचाया धमाल

संजना भारती संवाददाता

विद्यापतिनगर (समस्तीपुर)। पारिवारिक-सामाजिक पृष्ठभूमि पर आधारित भोजपुरी फिल्म "साढ़ू जी नमस्ते" का प्रमोशन भक्त व भगवान की नगरी बालेश्वर स्थान, विद्यापतिधाम उगना महादेव मंदिर के पार्श्व स्थित पर्यटक भवन के सभागार में संपन्न हुआ। उक्त मौके पर भोजपुरी की लत्ता मंगेशकर कहीं जाने वाली सुप्रसिद्ध गायिका कल्पना पटवारी द्वारा इसी फिल्म के लिए गाएं गए गीत "बलम जी का कईला..." की लॉन्चिंग भी की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ यूथ ब्रिगेड के संयोजक पदमाकर सिंह लाला ने नारियल फोड़ तथा गणेश भगवान की पूजा-अर्चना कर विधिवत की। उन्होंने कहा कि भोजपुरी की समृद्ध विरासत और इसकी सांस्कृतिक पहचान को केंद्र में रखते हुए अब फिल्मों का बनना दर्शकों के लिए सुखद अनुभव होगा।

फिल्म के अभिनेता व विद्यापतिनगर प्रखंड के दमदमा गांव निवासी भोजपुरी अभिनेता सुजीत सुगना ने कहा कि यह एक पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित मनोरंजक, भावनात्मक और संदेशपूर्ण फिल्म है। ताकि दर्शकों को यह अहसास दिलाया जा सके कि भोजपुरी सिनेमा अपनी गुणवत्ता और प्रस्तुति में तेजी से बदलाव ला रहा है। अभिनेत्री सह मॉडल सपना झा ने कहा कि भोजपुरी सिनेमा को अनावश्यक रूप से बदनाम किया जाता हैं, जबकि कई उत्कृष्ट फिल्में बन रही हैं। भोजपुरी एक ऐसी भाषा है जिसकी गहराई और समृद्धि अद्वितीय है। फिल्म के निर्देशक रंजीत महापात्रा तथा निमार्ता सुबीर कुमार व यशवंत कुमार ने बताया कि फिल्म अगले महीने एक साथ 40 थियेटरों में प्रदर्शित होगी। इस फिल्म में अच्छी कहानी, संवाद, गीत-संगीत, एक्शन देकर लंबे समय बाद भोजपुरी फिल्मों के जरिए सामाजिक व पारिवारिक मूल्यों का महत्व को रेखांकित करने की शानदार कोशिश की गई हैं। उन्होंने ने बताया कि बिहार सरकार की फिल्म प्रोत्साहन नीति से अब बिहार कलाकारों का बेस्ट डेस्टिनेशन बन रहा है। इसके तहत शूटिंग, लोकेशन और तकनीकी सुविधाओं के लिए काफी रियायतें मिलती हैं। नतीजतन बिहार में अब बॉलीवुड की फिल्मों का निर्माण होना, राज्य के कलाकारों के लिए अवसर मिलना बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म मनोरंजन के साथ-साथ एक मजबूत सामाजिक कहानी है।

फिल्म की कहानी, संवाद, गाने और प्रस्तुति पूरी तरह से परिवारों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। प्रमोशन सह लॉन्चिंग में समस्तीपुर जिले सहित वैशाली, बेगूसराय, खगड़िया, दरभंगा, मधुबनी, मुजफ्फरपुर आदि जिलों से आएं सैकड़ों क्रियेटरों ने फिल्म के अभिनेता सुजीत सुगना व अभिनेत्री सह मॉडल सपना झा के साथ फिल्म के गाने बलम जी का कईला...पर रिल्स वीडियो बनाकर जमकर धमाल मचाया। मौके पर अभिनेता सुजीत सुगना, मॉडल सपना झा, कोमल रानी, रिंकू बवाली, प्रीति राज, रुद्र गिरी, मुन्ना मल्लिक आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से महफिल लूट ली।

'खेलो इंडिया अस्मिता' योगासन जोनल लीग प्रतियोगिता संपन्न

संजना भारती संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 16 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित खेलो इंडिया अस्मिता योगासन वेस्ट जोनल लीग का उत्साह, अनुशासन एवं खेल भावना के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। तीन दिवसीय इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पश्चिमी भारत के विभिन्न राज्यों से आई महिला योगासन एथलीटों ने उच्च तकनीकी स्तर का प्रदर्शन कर दर्शकों और निर्णायक मंडल को प्रभावित किया।

समापन समारोह के अवसर पर विजेता एवं उपविजेता टीमों को रायपुर के सांसद व छत्तीशगढ़ सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल व भारतीय खेल प्राधिकरण रायपुर जॉनल डायरेक्टर रेणु पारीक द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की गई। साथ ही प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों एवं प्रत्येक प्रतिभागी महिला योगासन खिलाड़ीयों को उनके समर्पण, अनुशासन और खेल भावना के लिए धन्यवाद एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। यह आयोजन न केवल योगासन को एक प्रतिस्पर्धात्मक खेल के रूप में मजबूती प्रदान करता है, बल्कि महिला सशक्तिकरण, स्वस्थ भारत और खेल संस्कृति को भी नई दिशा प्रदान करता है।

राजस्थान के टीम मैनेजर व बैतोर मुख्य अतिथि उपस्थित डॉक्टर सत्यनारायण झाझड़िया ने बताया कि ब्यावर जिला सचिव जसमीत कौर की अगुवाई में चूरु से दीपिका सहारण, मनोज कुमार पुनिया ने राष्ट्रीय स्तर पर निर्णायक की भूमिका व कोमल महला, जागृति शर्मा, कृष्णा झाझड़िया, नेहा इन्सा, संजना लम्बोरिया व अंजली देहडु सहित राजस्थान से 30 महिला खिलाड़ी एवं 10 जज/रेफरीयों ने भाग लिया।

टीम कोच व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डॉक्टर संजू धायल ने बताया कि RYSA के अध्यक्ष डॉक्टर बाबूलाल जुनेजा, सेक्रेटरी जनरल संदीप जी काशनीयाँ, तकनीकी प्रभारी राजेन्द्र काशनीयाँ व राष्ट्रीय कमेंठी के सदस्य गजराज सिंह जी के निर्देशन में 2 गोल्ड, 3 सिल्वर व 4 ब्रांज मैडल कुल नौ पदक प्राप्त कर वर्ल्ड योगासना के सेक्रेटरी जनरल डॉक्टर जयदीप जी आर्य व भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के महिला सशक्तिकरण की विचारधारा को फलीभूत किया है।

रानी कपूर ने बहू प्रिया कपूर पर लगाया 30,000 करोड़ की संपत्ति हड़पने का आरोप

(एजेन्सी)। ऑटो-पार्ट्स क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सोना ग्रुप के उत्तराधिकार को लेकर छिड़ी कानूनी जंग अब एक नए और गंभीर मोड़ पर पहुँच गई है। दिवंगत उद्योगपति डॉ. सुरिंदर कपूर की 80 वर्षीय विधवा रानी कपूर ने अपनी बहू प्रिया कपूर के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। रानी कपूर ने आरोप लगाया है कि प्रिया ने उनके बेटे संजय कपूर की मौत के बाद धोखाधड़ी से पूरी पारिवारिक संपत्ति और कंपनियों पर नियंत्रण हासिल करने की साजिश रची। अपने मुकदमे में, 80 वर्षीय रानी कपूर ने कहा है कि ट्रस्ट धोखाधड़ी से बनाया गया था और इसका इस्तेमाल उन्हें उनकी पूरी संपत्ति से वंचित करने के लिए किया गया, जिसमें सोना ग्रुप कंपनियों पर नियंत्रण भी शामिल है। उन्होंने कहा कि संजय कपूर की विधवा प्रिया कपूर इस साजिश की 'मुख्य मास्टरमाइंड' हैं। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की 80 वर्षीय मां, रानी कपूर ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक नया मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि प्रिया कपूर ने उन्हें धोखा देने के लिए हेरफेर किया। यह प्रिया, जो संजय की तीसरी पत्नी थीं, और अभिनेता करिश्मा कपूर के बच्चों के बीच उनके पति की 30,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को लेकर चल रही विरासत की लड़ाई में नवीनतम घटनाक्रम है।

नई याचिका रानी कपूर फैमिली ट्रस्ट की वैधता को चुनौती देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट धोखाधड़ी से उनके नाम पर बनाया गया था, लेकिन इसका इस्तेमाल संपत्तियों का नियंत्रण बदलने के लिए किया गया। उन्होंने प्रिया पर इस साजिश की "मुख्य मास्टरमाइंड" होने का आरोप लगाया। रानी कपूर ने दावा किया कि प्रिया और अज्ञात सह-साजिशकताओं ने उन्हें पारिवारिक संपत्ति में उनके हिस्से से वंचित करने के लिए "बुरे इरादे और अवैध काम" किए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रिया ने अपने बेटे की मौत के बाद 13 दिन की शोक अवधि के दौरान सोना ग्रुप और अन्य कपूर होल्डिंग्स पर नियंत्रण करने के लिए तेजी से काम किया। अपने मुकदमे में, रानी कपूर ने एक स्थायी आदेश की मांग की है जो प्रिया और अन्य लोगों को उस ट्रस्ट की ओर से काम करने या उसकी किसी भी संपत्ति का उपयोग करने से रोके। उन्होंने अदालत से ट्रस्ट को धोखाधड़ी वाला और अमान्य घोषित करने की भी अपील की है।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर डीसी ने की निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अपराजिता ने कहा कि मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से पहले बीएलओ द्वारा वर्ष 2024 की मतदाता सूची मिलान वर्ष 2002 की सूची के साथ बीएलओ ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। इसलिए भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल जल्द से जल्द प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए अपने बीएलए-2 नियुक्त करें और उनके फॉर्म जिला निर्वाचन कार्यालय में जमा करवाएं, ताकि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में पारदर्शिता और सटीकता बनी रहे।

जिला अपराजिता बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दे रही थीं। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की समीक्षा करना और उसे समयबद्ध तरीके से पूरा करना रहा। उन्होंने बताया कि फिलहाल केवल एक ही पार्टी ने 16-कलायत और 17-कैथल विधानसभा क्षेत्रों के लिए अपने बीएलए नियुक्त किए हैं। अन्य राजनीतिक दल भी इस कार्य में तेजी लाएं। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक लगभग 70 प्रतिशत मतदाता सूचियों के मिलान कार्य पूर्ण हो चुका है। जिन मतदाताओं का मिलान हो चुका है, उन्हें आगामी गहन पुनरीक्षण के समय अपना कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करना है, केवल गणना फार्म ही भरा जाना है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से अधिक से अधिक मतदाताओं का मिलान करवाएं।

डीसी अपराजिता ने यह भी बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की हिदायत अनुसार मतदाता सूची में मौजूद धुंधली या ब्लैक एंड व्हाइट फोटो को रंगीन फोटो में बदला जाएगा। इसके लिए संबंधित मतदाताओं को जागरूक करने और फॉर्म नंबर 8 भरवाने की अपील की गई है। इसी प्रकार एक जैसे नाम और पिता के नाम वाले मतदाताओं के सत्यापन का कार्य बीएलओ के माध्यम से करवाया जा रहा है।

डीसी अपराजिता ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई मतदाता वर्ष 2002 के बाद किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित हुआ है, तो वह अपना पुराना रिकॉर्ड प्रस्तुत करे ताकि उसे भविष्य में किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे समय समय पर अपनी अधीन कार्यरत बीएलओ, सुपरवाइजर की मीटिंग लेकर उन्हें उनको सौंपे गए कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश देते रहें।

इस अवसर पर एडीसी डा. सुशील कुमार, गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, डीआईपीआरओ नसीब सिंह, चुनाव तहसीलदार सुभाष सहित अन्य अधिकारी एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आमजन से जुड़े लंबित आवेदनों को जल्द निपटाएं राजस्व विभाग के अधिकारी-डीसी

■ डीसी ने ली राजस्व विभाग से जुड़े अधिकारियों की बैठक

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि राजस्व विभाग में कई सेवाएं आमजन से सीधी जुड़ी हुई हैं। विभाग के अधिकारी इन सेवाओं के लिए आमजन के लंबित आवेदनों को जल्द से जल्द निपटाएं। यदि किसी कार्य में विधायी या तकनीकी परेशानी है तो उसके बारे में विभाग मुख्यालय को अवगत कराकर उसका समाधान करवाएं।

डीसी अपराजिता बुधवार को राजस्व विभाग की विभिन्न योजनाओं व सेवाओं को लेकर अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहीं थीं। बैठक में एसडीएम कैथल गुरविंद्र सिंह, एसडीएम कलायत अजय हुड्डा, एसडीएम गुहला कैप्टन परमेश सिंह सहित जिला राजस्व अधिकारी चंद्रमोहन की अगुवाई में सभी तहसीलदार व नायब तहसीलदार मौजूद रहे।

डीसी ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सरकार की हिदायतों अनुसार शनिवार को इंतकाल निपटाने के लिए आयोजित किए जा रहे शिविरों में सक्रियता से लंबित मामलों को निपटाएं। साथ ही ऑनलाइन रजिस्ट्री प्रक्रिया का पालन करते हुए लोगों की ऑनलाइन रजिस्ट्री करें। किसी भी अवैध कालोनी में प्रतिबंधित जमीन में रजिस्टरी न करें। विभाजन के जो मामले हैं, सरकार के नियमानुसार उनके संबंध में काम शुरू किया जाए। राजस्व रिकॉर्ड को ऑनलाइन करने की जो प्रक्रिया चल रही है, उसमें लंबित कार्य का जल्द निपटान करें। कोर्ट में लंबित मामलों में जल्द सुनवाई कर नियमानुसार उनका निपटान किया जाए। जमाबंदी और निशानदेही के लंबित मामलों को जल्द से जल्द निपटाएं। डीसी ने तहसील अनुसार सभी से लंबित केसों की जानकारी हासिल की। उन्होंने तीनों एसडीएम को रैन बसेरे में सुविधाओं पर नजर बनाए रखने के भी निर्देश जारी किए।

संगठन सृजन प्रशिक्षण शिविर में राहुल गांधी ने की गाबा परिवार से मुलाकात

■ मां के हाथों की मिठाई भेंट, संगठन और युवाओं की भूमिका पर हुई अहम चर्चा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत राहुल गांधी ने हरियाणा एवं उत्तराखंड के जिला शहरी अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों के परिवारजनों से भी मुलाकात की तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

इसी क्रम में जिला कांग्रेस कमेटी करनाल के शहरी अध्यक्ष पराग गाबा ने अपने परिवार सहित राहुल गांधी से मुलाकात की। इस दौरान संगठन की आगामी रणनीति, युवाओं की भूमिका और पार्टी को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान पराग गाबा की माता श्रीमती सुदेश गाबा ने राहुल गांधी को अपने हाथों से बनाई मिठाई भेंट की, जिसे राहुल गांधी ने ससम्मान स्वीकार करते हुए कहा कि वे इसे घर जाकर अवश्य ग्रहण करेंगे।

पराग गाबा ने राहुल गांधी को अवगत कराया कि उनका परिवार कई पीढ़ियों से कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हुआ है और अगली पीढ़ी भी कांग्रेस की विचारधारा के साथ राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए युवाओं को विशेष रूप से पार्टी से जोड़ा जाएगा।

इस अवसर पर पराग गाबा के छोटे भाई एवं जिला कांग्रेस महासचिव पंकज गाबा ने भी राहुल गांधी से बातचीत की। उन्होंने बताया कि उनके पिता स्वर्गीय श्री देसराज गाबा पूर्व में जिला कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके हैं। पंकज गाबा स्वयं युवा कांग्रेस करनाल के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं, जबकि उनकी पत्नी शिखा गाबा भी यूथ कांग्रेस करनाल की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

पराग गाबा ने कहा कि राहुल गांधी का युवाओं को आगे बढ़ाने और उनके भविष्य को संवारने का जो विजन है, उसे सभी कांग्रेस कार्यकर्ता मिलकर साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि आज देश का युवा बेरोजगारी की गंभीर समस्या से जूझ रहा है और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर ही देश को मजबूत बनाया जा सकता है।

अखिल भारतीय सिविल सेवा बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए ट्रायल 2 फरवरी को पंचकूला में

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला खेल अधिकारी राज रानी ने बताया कि अखिल भारतीय सिविल सेवा बैडमिंटन (पुरुष व महिला) प्रतियोगिता 2025-26 का आयोजन आगामी 15 फरवरी से 21 फरवरी तक गोवा में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए हरियाणा टीम के चयन के लिए ट्रायल 2 फरवरी को ताऊ देवीलाल खेल स्टेडियम पंचकूला में सुबह 10 बजे आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इच्छुक और उत्कृष्ट खिलाड़ी जो सरकारी अधिकारी या कर्मचारी हैं, वे इस चयन प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। ट्रायल में आने-जाने और प्रतियोगिता में भाग लेने का यात्रा व्यय संबंधित खिलाड़ी का विभाग वहन करेगा। इच्छुक खिलाड़ियों को अपने विभागीय कार्यालय से यह प्रमाण-पत्र साथ लाना अनिवार्य होगा कि वे संबंधित विभाग में सरकारी कर्मचारी/अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रीय सिविल सेवा सांस्कृतिक एवं खेल बोर्ड की हिदायतों के अनुसार रक्षा सेवाओं, अर्धसैनिक बलों, केंद्रीय पुलिस संगठनों, पुलिस, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और एनएसजी के वर्दीधारी कर्मी, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के कर्मचारी, दिहाड़ी एवं कैजुअल श्रमिक, अस्थायी ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी तथा नए भर्ती हुए कर्मचारी जिन्होंने नियमित सेवा में छह महीने से कम समय पूरा किया हो, वे कर्मचारी इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र नहीं होंगे।

जे.सी महिला महाविद्यालय में सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर का हुआ समापन

■ बेस्ट वालंटियर का पुरस्कार वृद्धि और प्रतिमा को दिया

संजना भारती संवाददाता

असंध। नगर के जीवन चानन महिला महाविद्यालय में डॉ. रेखा शर्मा के मार्गदर्शन में चल रहे सात दिवसीय एन.एस.एस शिविर का समापन उत्साहपूर्वक हुआ।

दिन की शुरूआत सुबह योग सत्र से हुई जिसमे सभी एन.एस.एस स्वयं सेविकाओं ने एक साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर एन. एस.एस लक्ष्य गीत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे प्राचार्या डॉ. अनीता जून राजकीय महाविद्यालय जुंडला और प्राचार्या डॉ. नीलम तुरान, राजकीय महाविद्यालय असंध से उपस्थित रहे। कार्यक्रम अधिकारी मनीषा फोगाट ने सात दिन से चल रहे कैंप के बारे मे बताया एवं सभी स्वयंसेविकाओं के उत्साह, समर्पण और निस्वार्थ भाव की सराहना की।

डॉ. अनीता जून ने भी स्वयं सेविकाओं के शिविर की प्रशंसा की और कहा कि, शिविर सिर्फ कुछ दिनों की गतिविधि नहीं थी, बल्कि यह आपके व्यक्तित्व को निखारने और आपको एक जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. नीलम तुरान ने भी स्वयंसेविकाओं का हौसला बढ़ाया और बताया की एन.एस.एस गतिविधियां राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण कर भविष्य के लिए तराशने का काम करती हैं। स्वयंसेविकाओं ने कविता, नृत्य, कला, मोनो एक्टिंग के माध्यम से देश के प्रति अपनी भावना व्यक्त की। मनीषा फोगाट ने आये सभी विशिष्ट अतिथियों, स्टाफ मेंबर्स का धन्यवाद किया एवं स्वयंसेविकाओं को बधाई दी। बेस्ट वालंटियर का पुरस्कार वृद्धि और प्रतिमा को दिया।

इस अवसर के दौरान कार्यक्रम अधिकारी, एनएसएस सलाहकार समिति के सदस्य एवं प्रोफेसर डॉ. सिमरत पाल, डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ. रेखा बंसल, के.डी शर्मा, नीतू सेठी, सपना, रजनी, रीतिका, प्रियम, दीप्ति दूआ, मीनाक्षी, अदिति शर्मा, निधि, सोनिया छाबड़ा और ऋद्धि भी मौजूद रहे।

नीम साहिब गुरुद्वारा में 23 जनवरी को नि:शुल्क आयुष चिकित्सा शिविर

एसबी संवाददाता

कैथल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शकुंतला दहिया ने बताया कि बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में आयुष विभाग द्वारा 23 जनवरी को नीम साहिब गुरुद्वारा में नि:शुल्क आयुष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डा. अंजलि श्योकन्द को नोडल अधिकारी लगाया गया है। कैंप में महिला रोग, बाल रोग, त्वक रोग, जोड़ों के दर्द आदि के रोगियों का अनुभवी आयुर्वेदिक चिकित्सकों द्वारा निरीक्षण करके आयुष विभाग द्वारा नि:शुल्क आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियां वितरित की जाएंगी। साथ ही विभिन्न रोगों में योग एवं पंचकर्म पद्धति से होने वाले लाभ के बारे में बताया जाएगा। सभी क्षेत्रवासी इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

करनाल में 77वें गणतंत्र दिवस की तैयारियां तेज, पुलिस लाइन में हुई प्रथम रिहर्सल

■ विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण करेंगे ध्वजारोहण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला करनाल में 77वें गणतंत्र दिवस समारोह को भव्य, हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को पुलिस लाइन करनाल में गणतंत्र दिवस समारोह की प्रथम रिहर्सल आयोजित की गई। रिहर्सल नगराधीश एवं कार्यक्रम की नोडल अधिकारी मोनिका शर्मा की देखरेख में संपन्न हुई।

नोडल अधिकारी मोनिका शर्मा ने बताया कि इस वर्ष जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण करेंगे। समारोह को सफल व यादगार बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। रिहर्सल के दौरान प्रोबेशनरी डीएसपी राखी विश्वकर्मा ने परेड का नेतृत्व किया। परेड में पुलिस, महिला प्लाटून, होमगार्ड, एनसीसी गर्ल्स, एनसीसी बॉयज (आर्मी विंग), एनसीसी जीडी जूनियर विंग, स्काउट तथा बैंड की टुकड़ियों ने अनुशासनबद्ध मार्चपास्ट किया।

इसके उपरांत स्कूली विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक मॉस पीटी, लेजियम एवं डंबल का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। कनिष्का पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार के 12 आसनों का सजीव प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत डीएवी पुलिस लाइन पब्लिक स्कूल, दयाल सिंह पब्लिक स्कूल सेक्टर-7, दून इंटरनेशनल स्कूल, प्रकाश पब्लिक स्कूल तथा पार्थ पब्लिक स्कूल घरौंडा के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां दीं।

वहीं शहर के सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने हरियाणवी नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को जीवंत बना दिया। आर्यकुलम गुरुकुल नीलोखेड़ी के छात्रों ने बैंड पर मनमोहक प्रस्तुति दी। नोडल अधिकारी ने बताया कि गणतंत्र दिवस समारोह की फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि समारोह के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, मेधावी छात्रों, खिलाड़ियों, एनजीओ व समाजसेवियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों की ओर से आकर्षक झांकियां भी निकाली जाएंगी।

इस अवसर पर एसडीएम प्रदीप कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी रोहताश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्यक्रम से जुड़े टीम इंचार्ज मौजूद रहे।

8 सूत्रों आदेश के अनुपालन करने वाले विद्यालयों को मिलेगा

BSG Best School Award 2026

भारत स्काउट और गाइड बना शिक्षा का अभिन्न अंग।
स्काउट मास्टर को मिलेगा स्काउट वर्दी के साथ 50/रू प्रतिमाह।
भारत स्काउट और गाइड वेलफेयर एसोसिएशन की अद्भुत पहल।

"BSG Best School Award 2026"

BSG वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा सभी सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों को BSG Best School Award देने की घोषणा की गई है जो बिहार सरकार शिक्षा विभाग के पत्रांक 187 दिनांक 03,,03,, 1988 के 8 सूत्री आदेशों का पालन कर रहे हो। भारत स्काउट और गाइड के क्रियाशीलन को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है और स्कूलों को BSG से दल पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है क्योंकि BSG से प्रशिक्षित एवं राष्ट्रपति अवॉर्ड प्राप्त छात्रों को उच्च वर्गों में नामांकन के समय 12अंक एवं 18 अंकों का वेटेज दिया जाता है।साथ ही 8 सूत्री आदेशों में यह भी दर्ज है कि ऐसे स्कूलों के स्काउट मास्टर / गाइड कैप्टेन को प्रतिमाह 40 रुपए अलग से पारिश्रमिक देय होगा। उपरोक्त परिस्थितियों में 2019,,20 से 2025, 26 तक bsg को निर्धारित दल पंजीयन नवीकरण शुल्क देकर पंजीकृत स्कूलों को नीचे दिए गए प्रपत्र को भर कर एक प्रति जिला शिक्षा पदाधिकारी सह पदेन सभापति के माध्यम से एवं एक प्रति सीधे रत्नेश्वरी शर्मा प्रदेश अध्यक्ष BSG वेलफेयर एसोसिएशन मो 8340316843,, श्री कृष्ण नगर, मोतिहारी पूर्वी चंपारण 845401 के पास निबंधित डाक से भेजें। यह अवॉर्ड वर्ष में दो बार 26 जनवरी एवं 15 अगस्त को दिया जाएगा।

प्रपत्र

1,विद्यालय का नाम एवं पूरा पता
2,HM का नाम एवं मो न
3, स्काउट मास्टर/ गाइड कैप्टन का नाम एवं मो न
4, बालचार (स्काउट) में कुल जमा राशि,Ac no एवं बैंक का नाम
5, विभागीय नियमानुसार बालचार कोष का संचालन स्काउट मास्टर और प्रधानाध्यापक के संयुक्त हस्ताक्षर से होना चाहिए जो होता या नहीं?
6, दल पंजीयन नवीकरण का 2019_20 से वर्षवार जमा राशि की रशीद की छाया प्रति संलग्न करें।
7, 2019,20 से 2*25,26 तक बलचर कोश में प्राप्त कुल राशि।

विद्यालय प्रधान का हस्ताक्षर एवं मुहर।

भाकृअनुप-आईआईडब्ल्यूबीआर, करनाल में रबी फसलों के गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। भाकृअनुप-भारतीय गेहूँ एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल, हरियाणा में 'रबी फसलों में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन तकनीकियाँ' विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (21 से 23 जनवरी, 2026) का शुभारम्भ आज किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. रतन तिवारी ने की।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाकृअनुप-केन्द्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के निदेशक डॉ. आर. के. यादव ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन कृषि उत्पादकता बढ़ाने तथा किसानों को विश्वसनीय बीज उपलब्ध कराने में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य रबी फसलों, विशेषकर गेहूँ एवं जौ, के उच्च गुणवत्ता वाले बीज उत्पादन की उन्नत तकनीकों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करना है, जिससे बीज की शुद्धता बनी रहे और उत्पादन क्षमता में वृद्धि हो। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण में हरियाणा बीज विकास निगम, राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड, गुरुकृपा बीज कंपनी सहित पंजाब एवं उत्तर प्रदेश के किसान उत्पादक संगठनों तथा तीन राज्यों की 10 निजी कंपनियों के कुल 21 अधिकारियों ने भाग लिया। यह सहभागिता सार्वजनिक संस्थानों, निजी क्षेत्र एवं किसान समूहों के बीच सहयोग को दर्शाती है, जो उत्तरी भारत में गुणवत्तापूर्ण बीज उत्पादन प्रणाली को और मजबूत करेगी। कार्यक्रम में डॉ. अमित शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

डॉ. अनुज कुमार ने मंच संचालन किया, जबकि डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. उमेश काम्बले एवं डॉ. मंगल सिंह भी उपस्थित रहे।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं सतत कृषि के लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जो बेहतर बीज गुणवत्ता एवं उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा।

वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजा को लेकर खानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

■ पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार एवं बीडीओ की उपस्थिति में शांति समिति की हुई बैठक

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजा के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बुधवार को खानपुर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार एवं बीडीओ विजय कुमार चंद्रा की उपस्थिति में शांति समिति की बैठक हुई। शांति समिति बैठक के दौरान खानपुर थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधि व पूजा समिति के लोग सहित गणमान्य लोगों भी शामिल हुये।

वही बैठक को संबोधित प्रखंड विकाश पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा ने लोगों से वसन्त पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजा में शांति व्यवस्था व आपसी सौहार्द के साथ पूजा अर्चना करने की अपील किये। वही शांति समिति बैठक में उपस्थित लोगो को संबोधित करते हुऐ पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार ने कहा कि वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सरस्वती पूजा के लिए सभी पूजा समितियों को लिखित सूचना देना अनिवार्य है। सभी लोग निर्धारित तिथि के पूर्व अपना आवेदन दें। पूजा व विसर्जन जुलूस में डीजे पर पाबंदी रहेगी। तथा उन्होंने कहा कि माँ शारदे की पूजा के दौरान अश्लील गाना डीजे बजाने वालों पर सीधी कार्रवाई होगी। वही खानपुर थाना क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में वसंत पंचमी सरस्वती पूजा के अवसर पर सभी लोग आपसी भाईचारे एवं शांतिपूर्ण तरीके से माँ शारदे की पूजा संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया है।

वही शांति समिति की बैठक में पुलिस निरीक्षक सह थानाध्यक्ष शिवपूजन कुमार ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों व पूजा समितियों एंव बुद्धिजीवियों को संबोधित करते हुए कहा कि वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर माँ शारदे की पूजा अर्चना आपसी भाईचारे एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं। तथा नशेड़ियों, शराब कारोबारियों व उपद्रवियों पर खानपुर पुलिस की पौनी नजर रहेगी। माँ शारदे की पूजा के दौरान किसी प्रकार का उपद्रव व शांति व्यवस्था को भंग करने के दौरान आप लोग तुरंत थाना के पुलिस पदाधिकारी को सूचना दे। ताकि उपर्द्रवियो,व शांति भंग करने वाले पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शांति समिति बैठक के मौके पर बीडीओ विजय कुमार चंद्रा, सबइंस्पेक्टर संजीवन कुमार, प्रशिक्षु एसआई मिंटू कुमार, एएसआई अनिल कुमार (15) एएसआई अनिल कुमार (24), खानपुर उत्तरी के मुखिया अरुण कुमार सिंह कुशवाहा, बीस सूत्री उपाध्यक्ष बमभोला सिंह, समाजसेवी नेता पिंटू सिंह, समाजसेवी नेता रविन्द्र कुमार राय, शिक्षक अखिलेश कुमार, शोभन पंचायत के मुखिया रविन्द्र कुमार, सहित खानपुर थाना क्षेत्र के दर्जनों जनप्रतिनिधियों व पूजा समिति सदस्य एंव बुद्धिजीवियों ने भाग लिया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।
संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635

खूबसूरती में इजाफा कर देते हैं आइलैश एक्सटेंशन

किसी जमाने में आंखों के मेकअप के समय पलकों पर नकली बाल लगाए जाते थे, मगर यह कुछ घंटों के लिए ही आंखों को खूबसूरत बनाते थे। अब आंखों की पलकों को स्थाई तौर पर खूबसूरत बनाने के लिए पलकों पर बालों का एक्सटेंशन किया जा रहा है। आइलैश एक्सटेंशन बॉलीवुड के साथ-साथ शहरी युवतियों के बीच भी तेजी से ट्रेंड में आ रहा है। 2017 के ब्यूटी ट्रेंड में आंखों की खूबसूरती पर जोर दिया जा रहा है। इस पर ब्यूटी एक्सपर्ट तरह-तरह के प्रयोग कर रहे हैं। इस समय नई क्रांति के तौर पर इस क्षेत्र में परमानेंट आइलैश एक्सटेंशन आया है। इस पर फिलहाल कुछ एक्सपर्ट ही काम कर रहे हैं। पलकों को खूबसूरत रूप देने के लिए उन पर बालों की नकली परत को लगाया जाता है। इस परत में अपने चेहरे के अनुसार सूट करते हुए बालों को घना, लंबा, मुड़ा हुआ लगाकर आंखों को नया लुक दिया जा सकता है। इन बालों को पलकों पर स्किन फ्रेंडली ग्लू (गोंद) के माध्यम से चिपका दिया जाता है। यह स्थाई एक्सटेंशन होता है। इससे हर रोज मेकअप के साथ नकली आइलैश लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। ब्यूटी एक्सपर्ट प्रिया कालरा के मुताबिक सौंदर्य के क्षेत्र में यह एक नई क्रांति है। इस प्रक्रिया से पहले त्वचा के प्रकार को जांचा जाता है व फिर कंप्यूटर के माध्यम से चेहरों को विभिन्न आकार के लैश को सेट करके देखा जाता है। बाद में सूट करता हुआ लैश फिट किया जाता है। वैसे तो इस एक्सटेंशन को परमानेंट माना जाता है लेकिन नेल एक्सटेंशन की तरह इसमें भी हर महीने रीफीलिंग की जरूरत पड़ती है। इसमें पलकों पर फिर से आइलैश को सेट किया जाता है। एक्सटेंशन विशेषज्ञ नीलिमा के मुताबिक एक्सटेंशन को बार-बार सुधारने की जरूरत होती है। इसके अलावा इसमें कोई समस्या नहीं होती। इसमें इंसान के बालों का प्रयोग किया जाता है।

स्वास्थ्य

चाय पीने से घटेगा टाइप 2 डायबिटीज का खतरा

विशेषज्ञों ने दावा किया है कि चाय पीने वालों को टाइप 2 डायबिटीज का खतरा कम होता है। इससे ब्लड शुगर के स्तर के तेजी बढ़ने की आशंका घटती है, जो मीठे खाद्य और पेय पदार्थों के सेवन से बढ़ जाता है। एक शोध में देखा गया कि सुक्रोज से लैस पेय पदार्थ देने के बावजूद वयस्कों के शरीर में चाय से शक्कर के स्तर में गिरावट आई।

टी एडवाइजरी पैनल के इस अध्ययन में बताया गया है कि चाय की पत्तियों में मौजूद पॉलीफेनॉल्स शक्कर को खून में घुलने से रोकते हैं। खून में शक्कर की मात्रा नियंत्रित करने के गुण के कारण चाय शरीर को एक घातक स्थिति की तरफ जाने से रोकती है। पहले से ही टाइप 2 डायबिटीज के शिकार लोगों में समस्या के जानलेवा होने के खतरों को भी कम करती है।

टी एडवाइजरी पैनल के डॉक्टर टिम बॉन्ड ने कहा कि चाय में मौजूद पॉलीफेनॉल मीठे पेय पदार्थों के ग्लाइकेमिक इंडेक्स को भी घटाता है। इसके अलावा यह पेय पूरी तरह से इंसुलिन मुक्त होता है, जिसके कारण रक्त में ग्लूकोज का स्तर घटता या बढ़ता है। शोधकर्ताओं ने चाय के सेवन का प्रभाव 24 प्रतिभागियों में जांचा। इनमें से आधे लोगों का ब्लड शुगर का स्तर सामान्य था, जबकि अन्य पहले से डासबिटीज से पूर्व की अवस्था में थे।

परीक्षण से एक दिन पहले इन लोगों से सामान्य तरीके से खाने और कोई व्यायाम न करने को कहा गया। सभी को कम शक्कर के स्तर वाला भोजन रात में खाने को दिया गया। अगले दिन सुबह सभी के रक्त के नमूने लिए गए। इन सभी को पॉलीफेनॉल या प्लेसिबो से लैस मीठे पेय दिए गए और एक बार फिर उनके रक्त के नमूने लिए गए। इस परीक्षण को कम से कम तीन बार आधे घंटे, एक घंटे, डेढ़ घंटे और दो घंटे दोहराया गया।

प्लेसिबो से लैस मीठे पेय पीने वाले वॉलंटियरों के ब्लड शुगर स्तर में इजाफा देखने को मिला। हालांकि पॉलीफेनॉल्स से लैसे पेय पीने वालों के ब्लड शुगर में गिरावट दर्ज की गई। यह शोध एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित हो चुका है।

बेहद कम खर्च में ऐसे सजाएं अपना घर

अपने घर की सजावट करने के लिए आपको बहुत सारे समय के साथ ढेर सारे पैसों की भी जरूरत होती है। लेकिन थोड़ी सी रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति का इस्तेमाल कर बिना ज्यादा पैसा खर्च किए आप अपने घर का मेकओवर कर सकती हैं। जानें कैसे-

फर्निचर

पुराना फर्निचर बदलने की सोच रही हैं तो रूक जाइए आप इन पुरानी टेबल कुर्सियों को दूसरे इस्तेमाल में ला सकती हैं। पुरानी कुर्सी को बेडसाइड टेबल की तरह यूज कर सकती हैं या फिर केन स्टूल जिसमें छेद हो गया उसे ट्रे से ढंककर उसपर रीडिंग लैंप, फ्लावर वास या अलार्म क्लॉक रख सकती हैं।

प्लेट्स टांगे

प्लेट्स को शेल्फ पर या रैक पर क्यों एक के ऊपर एक रखना जब आप उसे टांगकर उसकी शोभा बढ़ा सकती हैं। वायर प्लेट हैंगर्स लें और उसपर अलग-अलग रंग और साइज की प्लेज सजाएं। इससे आपकी बोरिंग और प्लेन दीवार को ड्रेमैटिक लुक मिलेगा।

प्रकृति को लाएं घर

घर में फ्लावर वास में ताजे फूल लगाएं या फिर लिविंग रूम के एक कोने में बीच से इक्ट्ठा कर लाए गए

कंकड़ पत्थर और सीप सजा दें। अलग-अलग साइज के शंख या खाली कांच के ग्लास में रेत भरकर आप अपने घर के शांत कोने में नई लाइफ भर सकती हैं।

मोमबत्तियों से करें रोशन

जरूरी नहीं कि मोमबत्तियां हमेशा रोशनी के लिए ही जलाई जाएं। घर के किसी खाली हिस्से में इन्हें रखकर भी आप उस जगह की खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। किसी खाली पड़े टेबल पर अलग-अलग रंग और साइज की मोमबत्तियां रखें और फिर देखें आपका घर कितना बेहतरीन लगने लगेगा।

रंगों से करें एक्सपेरिमेंट

अगर आप घर के किसी कोने को सजाने के बारे में सोच रही हैं लेकिन कोई अच्छा आइडिया नहीं मिल रहा तो कोई बड़ी से पेंटिंग लेकर उस दीवार पर टांग दें, उस जगह के साथ ही आपके घर की खूबसूरती भी बढ़ जाएगी।

स्वास्थ्य

बादाम से भी ज्यादा फायदेमंद होता है भीगा चना

भीगा हुआ चना भीगे हुए बादाम से भी ज्यादा फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के चिकित्सक डॉ. श्रीधर पांडेय के मुताबिक भीगे चने में बहुत ज्यादा मात्रा में प्रोटीन, नमी, फैट, फाइबर, कैल्शियम, आयरन और विटामिन्स होता है। भीगे चने का सेवन बड़ी-बड़ी बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। भीग हुआ चना खून को साफ करने में भी मदद करता है, भीगा चना दिमाग तेज करने के साथ वजन कम करने में भी सहायक होता है।

भीगे हुए चने के फायदे

1-भीगे हुए काले चने से हमारे शरीर को भरपूर मात्रा में पोषण मिलता है।

2- भीगे चने का रोज सेवन करने से कई तरह की बीमारियों से छुटकारा मिलता है।

3- स्वस्थ रहने के लिए हर रोज सुबह भीगे चने का सेवन अवश्य जरूर करें7

4-यदि किसी को शुगर की समस्या है, तो रोज सुबह 25 ग्राम भीगे हुए काले चने का सेवन करें7

5- भीगा चना चबाने से कब्ज और पेट दर्द की समस्या से छुटकारा मिलता है।

6-वजन कम करने भी भीगा चना खाना फायदेमंद है।

7- खून भी साफ करता है भीगा चना।

चेहरे पर लगाएं शहद, मिलेंगे कई फायदे!

हर घर में शहद का इस्तेमाल किया जाता है। यह सेहत और त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद है। शहद लगाने से स्किन में निखार आता है। कई ब्यूटी प्रॉडक्ट में शहद का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में अपनी डेली रूटीन में शहद को यूज करें। आज हम आपको शहद के ब्यूटी फायदों के बारे में बताएंगे।

1. बंद पोर्स को खोलें

धूल-मिट्टी के कारण चेहरे के पोर्स बंद हो जाते है। शहद का इस्तेमाल करने से रोम छिद्र खुल जाते हैं। इसमें मौजूद तत्व त्वचा पर जमी गंदगी को दूर करते है।

2. दाग-धब्बों को करें दूर

त्वचा पर शहद का इस्तेमाल करने से दाग-धब्बे दूर होते हैं। इसके अलावा डेड स्किन से छुटकारा मिलता है। ऐसे में चेहरे के दाग-धब्बों को दूर करने के लिए शहद लगाएं।

3. होंठों को बनाएं मुलायम

फटे होंठों से परेशान है तो शहद का इस्तेमाल करें। होंठों पर शहद लगाएं। इसके अलावा बादाम के पेस्ट में शहद

को मिलाकर होंठों पर लगाएं। इससे होंठ मुलायम होंगे।

4. सनबर्न

गर्मियों में सनबर्न से त्वचा को बचाने के लिए शहद यूज करें। इसमें मौजूद तत्व हानिकारक किरणों से त्वचा को बचाते है। दिन में एक बार शहद से मसाज करें।

5. हेयर कंडीशनर

शहद बालों के लिए भी फायदेमंद है। शहद को आप नैचुरल हेयर कंडीशनर की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। गरी के तेल में शहर मिलाकर बालों में लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें। इससे बाल सॉफ्ट और मजबूत होंगे।

छिपकली से पीछा छुड़ाना हैं तो अपनाएं ये टिप्स

गर्मियों का सीजन शुरू होते ही सबसे बड़ी समस्या छिपकलियों की होती है। जो हर लाइट या फिर बाथरूम आदि में होती हैं। लोग छिपकली से छुटकारा पाने के लिए मार्कीट से मिलने वाले इंस्केट किलर का इस्तेमाल करते है। इनमें काफी हानिकारक कैमीकल होते है, जो हमे नुकसान पहुंचा सकते है। आज हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनकी मदद से आप छिपकली से छुटकारा पा सकते है।

1. कॉफी पाउडर

कॉफी पाउडर को तम?बाकू पाउडर के साथ मिला लें और इसकी छोटी-छोटी गोलियां बनाकर वहां-वहां रख दें जहां छिपकलियां आती है।

2. प्याज

छिपकली या कॉकरोच को घर से दूर भगाने के लिए प्याज को काटकर दो भागों में रखें। हो सकें तो प्याज को धागे से बांधकर लाइट के पास टांग दें। प?याज में सल?फर ज?यादा मात्रा में होता है जिससे बुरी दुर्गंध निकलती है और छिपकली भाग जाती है।

3. मोरपंख

छिपकली मोरपंख से डरती है। वह समझती है कि मोरपंख कहीं सांप है जो उसे खा जाएगा। इसलिए आप मोरपंख को घर में किसी गुलदस?ते आदि में लगाकर रख दें, इससे छिपकलियां भाग जाएगी।

4. लहसुन

एक स?प्रे बॉटल लें। इसमें प?याज का रस और पानी भर लें। इसमें कुछ बूंद लहसून के रस की मिला लें और अच?छे से मिला लें। अब इसे घर के हर कोने में छिड़क दें, जहां-जहां छिपकली सबसे ज?यादा आती है वहां भी छिड़क दें। आप चाहें तो लहसुन की कली भी रख सकते है, इससे भी छिपकलियां दूर भाग जाती है।

5. पेपर स्प्रे

इसके लिए आप काली मिर्च और पानी को मिलाकर स्प्रे तैयार कर लें। इसे अपनी किचन, कमरों और बाथरूम अदि जगहों पर छिड़क दें। इससे छिपकलियां भाग जाती है क?योंकि काली मिर्च की तीखी गंध उन?हे अच?छी नहीं लगती है।

स्वास्थ्य

लू के साथ-साथ मुहांसों से भी बचाता है कच्चा आम

कच्चा आम ढेर सारे गुणों से भरपूर है। चाहे आप इसे सीधा खाएं, इसका जूस बनाकर पीएं । आयुर्वेद चिकित्सक देवेन्द्र गुप्ता बताते हैं कि आम में मौजूद आयरन, विटामिन ए, बीटा कैरोटीन, अल्फा कैरोटीन जैसे तत्व सेहत के लिए बहुत लाभकारी हैं।

खून साफ करता है : कच्चे आम में कुछ ऐसे तत्व पाए गए हैं, जो हमारे रक्त को साफ करते हैं। रक्त से संबंधी कैसा भी विकार हो, कच्चे आम के सेवन से दूर हो जाता है।

मुंहासे कम करता है : यदि किसी का रक्त गंदा हो, जिससे मुंहासे आ जाते हों और त्वचा भी बेजान-सी न?र आती हो, तो उसे कच्चे आम का जूस पीना चाहिए। यह जूस रंग भी साफ करता है और चेहरे पर निखार लाता है।

गैस की समस्या से निजातः जिन्हें निरंतर गैस की समस्या रहती है, उनके लिए कच्चा आम रामबाण इलाज है। यह कच्चे आम का दूसरा असरदार गुण है, जिसके कारण व्यक्ति की गैस और अपच जैसी समस्या दूर हो जाती है। गैस, अपच, कब्ज या पेट संबंधी कोई भी विकार सताए, तो कच्चे आम का सेवन करने से आराम मिलता है।

रेसिपी

आलू-साबूदाना-सिंघाड़े की लजीज पूरी

भीगा हुआ साबूदाना एक कटोरी, 1 कटोरी सिंघाड़ा आटा, दो-तीन उबले आलू, दो-तीन हरी मिर्च बारीक कटी हुई, सेंधा नमक, काली मिर्च पावडर, थोड़ा-सा हरा धनिया बारीक कटा, तेल अथवा घी

विधि

उबले आलू को मैश कर लें। साबूदाना और आलू को सिंघाड़े के आटे में मिला लें। बाकी सभी वस्तुएं भी आटे में डालकर अच्छी तरह मिला लें। थोड़ा पानी डालकर गूंध लें। अब हाथ पर पानी लगाकर छोटी-छोटी लोई तोड़कर पूरी का आकार दें या फिर बेलन से बेल लें। अब कड़ाही में तेल गरम करके पूरी को सुनहरी होने तक तक लें। आप चाहे तो इन्हें तवे पर दोनों तरफ से घी लगाकर भी सेंक सकते हैं।

शादी के बंधन में बंधना चाहते हैं जल्दी तो अपनाएं ये वास्तु टिप्स

हर माता-पिता को अपने बेटे या बेटी की शादी की चिंता लगी रहती है कि शादी की उम्र हो गई है लेकिन कोई रिश्ता नहीं हो रहा। कई बार शादी में कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है, बनते-बनते बात बिगड़ जाती है या फिर कई बार रिश्ते ही नहीं आते हैं। ऐसे में घर पर काफी टैंशन का माहौल होने लग जाता है। इस वक्त अगर आप इन वास्तु के उपायों को करेंगे तो शादी जल्द होने के आसार बन जाते हैं।

1. विवाह की बात करने जब लोग घर आएं उन्हें इस तरह बैठाएं कि उनका मुंह घर के अंदर की ओर रहे। विवाह की बात करने वाले व्यक्तियों का मुंह बाहर की ओर होने पर बात पक्की होने की संभावना कम हो जाती है। जिनकी शादी में बाधा आ रही है हो उन्हें इस बात का बहुत ध्यान रखना चाहिए।

2. जिनकी शादी की उम्र है और शादी हो नहीं रही वे लोग काले व नीलें रंग के कपड़े न पहनें। इसका कारण यह है कि काला रंग शनि, राहु और केतु इन तीनों ग्रहों का होता है जो विवाह में बाधक होते हैं।

3. ऐसी जगह पर नहीं सोएं जहां बीम लटका हुआ दिखाई दे।

4. विवाह के योग्य व्यक्ति को सोते समय अपना पैर उत्तर की ओर और सिर दक्षिण दिशा में रखना चाहिए। सोने के इस नियम की अनदेखी से बचना चाहिए

5. विवाह के इच्छुक व्यक्तियों को अपने घर के दक्षिण-पश्चिम भाग में लाल फूलों की पेंटिग लगानी चाहिए।

6. जिन कमरों में एक से अधिक दरवाजे हों उस कमरे में विवाह योग्य लड़कों को सोना चाहिए। जिन कमरों में हवा और रोशनी कम आती हो उन कमरों में नहीं सोना चाहिए।

7. वास्तु के अनुसार विवाह योग्य लड़कों को दक्षिण और दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं सोना चाहिए। इससे विवाह में बाधा आती है। माना जाता है कि इससे अच्छे रिश्ते नहीं आते हैं।

8. जिसकी शादी करवानी हो उसके कमरे में दीवारों का रंग चमकीला, पीला, गुलाबी होना अच्छा माना जाता है।

9. कुंवारे लड़के-लड़कियां जो घर से दूर रहकर नौकरी या पढ़ाई करते हैं अक्सर कमरें शेयर करते हैं। ऐसे में उन्हें विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए अपना बेड दरवाजे के करीब लगाना चाहिए।

10. यदि आप लव मैरिज करवाना चाहते हैं तो आप अपनी गर्लफ्रैंड को गुलाब का फूल देते हुए उसके कांटे निकाल दें। फूलों से अपने वैवाहिक जीवन को वह लोग भी खुशहाल बना सकते हैं जिनके बीच आपसी मतभेद बढ़ गया हो। ऐसे लोग गुलाब की बजाय लिली या आर्किड के फूलों का गुलदस्ता उपहार में दें।

गहनों के लिए कुछ खास टिप्स

त्योहारों पर हम सोने के गहने तो खरीद लेते है, लेकिन उनकी चमक को सालों-साल बरकरार रखना उतना ही कठिन होता है। क्योंकि सोना जितना पुराना होता जाता है, वह उतना अधिक कीमती भी हो जाता है और गहनो को किस तरह संभालकर रखा जाएं कि वह हमेशा ही नए जैसे दिखे, इसके लिए आपको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा कि हम अपने गहनों का कैसे करें रखरखाब कि वह सालों-साल चले।

ज्वेलरी पहने संभलकर

सोना मुलायम होता है जिस पर ब्रैच लगने का डर सबसे अधिक होता है। खासतौर पर सोने की अंगूठी, ब्रेसलेट या चूड़ियां पहनते वक्त सजग रहना जरूरी है। ऐसे में घर की साफ-सफाई या फिर बच्चों के साथ खेलते वक्त बेहतर होगा कि सोने के गहनें न पहनें।

गहनों की सफाई

रोजाना में पहनने वाली गोल्ड ज्वेलरी की चमक जल्दी फीकी पड़ जाती है। और उस पर पसीने, धूल या मेकअप का लगना आम बात है। ऐसे में समय-समय पर आप सोने के गहनों को वाशिंग पाउडर और गुनगुने पानी के घोल से साफ करें और फिर अच्छी तरह सुखाएं।

क्लोरीन से ज्वेलरी करें बचाव

सोने के गहनों पर कई तरह के रसायन है जो सूट नहीं करते क्लोरीन भी ऐसा ही एक रसायन है जिसके संपर्प में सोना कमजोर हो जाता है। अगर अधिक समय तक सोने के गहनों का संपर्प क्लोरीन से होगा तो वे जल्दी टूटेंगे। स्विमिंग पूल में जाते वक्त सोने के गहनों को निकाल देने में ही भलाई है। क्योंकि क्लोरीन के अलावा, एसिड, क्लीनर आदि के नियमित संपर्प में आने से भी सोने के गहनें खराब हो जाते हैं। इनका उपयोग करते वक्त हाथों में रबड़ के दस्तानें पहनने से अंगूठी या ब्रेसलेट को बचाया जा सकता है।

ऐसे करें स्टोर

सोने के गहनों को अगर सही तरीके से स्टोर करें तो ये सालों-साल चलते हैं। इन्हें हमेशा मेटल या मोती, स्टोन्स आदि के गहनों से अलग रखें। आप चाहें तो इन्हें किसी मुलायम कपड़े या बटरपेपर में रैप करके भी रख सकती हैं जिससे ये कम से कम हवा के संपर्प में आने से आपके गहने लंबे समय तक नए से दिखेगें।

रेसिपी

केसर-पिस्ता श्रीखंड

चार कप दही, आधा कप पिसी हुई चीनी, एक चम्मच गुलाब जल (वैकल्पिक), आधा चम्मच इलायची, आवश्यकतानुसार खड़े मेवे, आधा चम्मच केसर, चार चम्मच बारीक कटा पिस्ता।

विधि

एक साफ मलमल के या बारी कपड़े में दही डालकर बांध लें और रात भर यानी 10 से 12 घंटों के लिए छोड़ दें। सुबह दही में केसर और पिस्ता छोड़कर सभी सामग्रियां मिलाकर अच्छे से फेंट लें। अब थोड़ी देर प्रिज में ठंडा करें और फिर पिस्ते और केसर की गार्निश के साथ परोसें।